हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 166, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 16 दिसम्बर, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

आज का भारत सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपनों का भारत : योगी

पीएम मोदी की मौजूदगी में लाखों लोगों के बीच भजनलाल शर्मा ने ली पद व गोपनीयता की शपथ

वाराणसी। प्रदेश के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। काशी दौरे के दूसरे दिन सीएम आज स्वर्वेद महामंदिर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भारत के पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 74वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वाराणसी दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने मलदहिया स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये। सीएम योगी ने देश के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि लौहपुरुष एक महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे और इसके साथ ही स्वतंत्र भारत में उनका योगदान नए भारत के शिल्पी के रूप में रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत के 563 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। आज का जो भारत है वह सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपनों का भारत है इसलिए पूरा देश भारत की अखंडता के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का स्मरण करके उनके प्रति श्रद्धावनत होता है। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के इन्ही मूल्यों और आदर्शों को ध्यान में रखकर काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री ने केवड़िया गुजरात में सरदार सरोवर के तट पर नर्मदा नदी में दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की है। आज वह एक तीर्थ बन गया है। सरदार पटेल के मूल्य और आदर्श हम सभी को एक नई प्रेरणा प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी बायोनेचर कॉन-2023 का सीएम योगी ने किया उद्घाटन

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों या अन्य शिक्षण संस्थानों को टापू या तटस्थ बने रहने की बजाय समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों को चाहिए वे समाज की व्यावहारिक आवश्यकताओं के अनुरूप अध्ययन बढ़ाएं। व्यावहारिक आवश्यकताओं को समझने के लिए सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान पर निर्भर रहने की बजाय फील्ड में अनुभव हासिल करने और रिसर्च पर ध्यान देना होगा। सीएम योगी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फामेर्सी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे थे।

स्वरोजगार करने वालों का दमन कर रही मध्य प्रदेश सरकार : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को कहा कि मध्य प्रदेश की नई भाजपा सरकार द्वारा बेरोजगारों व अन्य गरीब मेहनतकशों को रोटी-रोजी उपलब्ध कराने का जरूरी फैसला करने के बजाय, रोजगार के अभाव में मछली, अण्डा, मीट आदि का खुले में स्वरोजगार करने वालों पर दमन शुरू कर देना कितना उचित है? इस विवादित फैसले पर पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ही नहीं बल्कि सभी सरकारों से महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि को दूर करने पर ही पूरी तन्मयता से काम करने की जरूरत। फिर भी इन वस्तुओं के खुले में व्यापार करने पर इतनी ज्यादा आपत्ति है तो उन्हें उजाड़ने से पहले दुकान एलाट करने की व्यवस्था सरकार क्यों नहीं करती?

भजनलाल बने राजस्थान के नए मुख्यमंत्री, दीया कुमारी व बैरवा ने ली डिप्टी सीएम पद की शपथ

राजस्थान। भाजना के दिग्गज नेता भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया है। बीजेपी में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले भजनलाल शर्मा अपने 55वें जन्मदिन पर राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री बन गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल पर लाखों लोगों के बीच राज्यपाल कलराज मिश्र ने भजनलाल शर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। भजनलाल शर्मा के साथ उनके दो उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ प्रेमचंद बैरवा ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। इसके साथ ही राजस्थान की राजनीति में पिछले 25 वर्ष से चला आ रहा अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री बनने का युग समाप्त हो गया। राजस्थान के राजनीति एक नई पीढ़ी में प्रवेश करती नजर आई। गुलाबी नगरी जयपुर की हल्की गुलाबी सर्दी की सुबह शुक्रवार को केसरिया रंग में रंगी नजर आ रही थी। एयरपोर्ट से लेकर शपथ ग्रहण स्थल ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल तक और उसके अलावा पूरे जयपुर शहर को भारतीय जनता पार्टी ने केसरिया रंग में रंग दिया था। इसी केसरिया

माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर 12:15 बजे जयपुर की धारा पर उतरे और लगभग 12:45 पर उनकी मौजूदगी में राजस्थान के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह लगभग 15 मिनट चला और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा ने उपस्थित जनता का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। राजस्थान के लिहाज से यह महत्वपूर्ण क्षण था। क्योंकि राजस्थान की जनता साल 1998 से लेकर अब तक बारी-बारी से अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे को ही मुख्यमंत्री के रूप में देख रहे थे। यानी लगभग 25 वर्ष बाद राजस्थान की राजनीति में एक जेनरेशनल शिफ्ट यानी पीढ़ीगत बदलाव होता देखा गया। समारोह स्थल पर तीन मंच तैयार किए गए थे। एक मंच पर देशभर से आए साधु-संतों को बैठाया गया है। वहीं दूसरे मंच पर देश के गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे और अन्य राज्यों से आए मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ नेता बैठे नजर आ रहे थे। तीसरा मंच शपथ के लिए बनाया गया था, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी, राज्यपाल और शपथ लेने वाले तीनों नेता बैठे। जिस मंच पर वरिष्ठ नेताओं को बैठाया गया था, इस मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एक साथ बैठे नजर आए। राजनीतिक रूप से तीनों नेता आपस में धुर विरोधी माने जाते हैं। अशोक गहलोत गजेंद्र सिंह शेखावत पर संजीवनी घोटाले में लिप्त होने का आरोप लगाने के साथ ही उन्हें नकारा और निकम्मा मंत्री तक बता चुके हैं।

महुआ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अब जनवरी में, लोकसभा से निष्कासन को दी है चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कैश-फॉर-क्वेरी मामले में लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी 2024 तक के लिए स्थगित कर दी है। जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच के सामने मामले को रखा गया। इसके बाद इसे जनवरी तक के लिए टाल दिया गया। मोइत्रा ने बुधवार को अपनी याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। इसके बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आश्वासन दिया था कि शीर्ष अदालत तत्काल सूचीबद्ध करने के अनुरोध पर विचार करेगी। पिछले हफ्ते मोइत्रा को पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। मोइत्रा ने उनके निष्कासन की सिफारिश करने वाली लोकसभा की आचार समिति पर पर्याप्त सबूत के बिना फैसले लेने और मनमानी का आरोप लगाया है। महुआ मोइत्रा ने अपनी याचिका में अयोग्यता को चुनौती देने के साथ आचार समिति

के निष्कर्षों पर चर्चा के दौरान लोकसभा में खुद का बचाव करने की अनुमति नहीं दिए जाने की बात कही है। गौरतलब है कि लोकसभा सदस्यता छीने जाने के खिलाफ महुआ मोइत्रा ने सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कैश के बदले सवाल मामले में घिरने और आचार समिति की तरफ से लोकसभा में रिपोर्ट रखे जाने के बाद सदन के अध्यक्ष ने उन्हें निष्कसित कर दिया था। इसी के खिलाफ टीएमसी सांसद सर्वोच्च न्यायालय पहुंचीं हैं। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उनके खिलाफ लोकसभा स्पीकर से शिकायत कर जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे। हालांकि, महुआ मोइत्रा ने जय अनंत का जिक्र करते हुए कहा कि आरोप झूठ पर आधारित थे।

रुंगटा को धमकी देने के मामले में मुख्तार दोषी करार, पांच साल छह माह की सजा

वाराणसी। कोयला व्यवसायी नंद किशोर रुंगटा के भाई महावीर प्रसाद रुंगटा को धमकाने के मामले में आरोपी मुख्तार अंसारी को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। कोर्ट ने मुख्तार को पांच साल छह माह की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न देने पर दो माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होंगी। बता दें कि रुंगटा को धमकी देने के मामले में गुरुवार को आरोपी मुख्तार अंसारी का बयान अदालत में दर्ज किया गया। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश हुआ। विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एमपी-एमएलए) उज्वल उपाध्याय की अदालत में विचाराधीन इस मामले में अदालत द्वारा जो सवाल पूछा गया, मुख्तार अंसारी ने उसका जवाब दिया। अदालत ने अगली सुनवाई और आरोपी का लिखित कथन दाखिल करने के लिए 17 अगस्त की तिथि नियत की है। रवींद्रपुरी कॉलोनी निवासी कोयला व्यवसायी नंद किशोर रुंगटा का 22 जनवरी 1997 को अपहरण किया गया था। इस मुकदमे की विवेचना के बीच पांच नवंबर 1997 की शाम नंद किशोर रुंगटा

के भाई महावीर प्रसाद रुंगटा को फोन कर धमकी दी गई कि अपहरण कांड की पैरवी न करें, नहीं तो बम से उड़ा दिया जाएगा। इस मामले में एक दिसंबर 1997 को भेलूपुर थाने में मुख्तार अंसारी के खिलाफ धमकाने का मुकदमा दर्ज किया गया था।

किशोरी से दुष्कर्म मामले में दोषी भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को 25 साल की कैद, दस लाख रुपये का जुर्माना

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में दुद्धी सीट से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को किशोरी से दुष्कर्म मामले में सजा का एलान हो गया है। भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को कोर्ट ने 25 साल की कैद तथा 10 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की धनराशि पीड़िता को मिलेगी।किशोरी से दुष्कर्म के मामले में सोनभद्र की एमपी-एमएलए कोर्ट ने ये फैसला सुनाया है। नवंबर 2014 में म्योरपुर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था और आठ सालों की लंबी सुनवाई के बाद फैसला आया है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने भाजपा विधायक रामदुलार गोंड के 25 वर्ष कैद और दस लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। विधायक को किशोरी के साथ दुष्कर्म का दोषी पाया गया है। आठ साल तक चली लंबी कानूनी लड़ाई के बाद बृहस्पतिवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया। एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश एहसानुल्लाह खां ने

अर्थदंड की समूची राशि पीड़िता को देने का आदेश दिया है। कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा और विधायक समर्थकों को तगड़ा झटका लगा है। आदेश के बाद रामदुलार गोंड की विधायकी जानी तय मानी जा रही है। विधायक के अधिवक्ता ने फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देने की बात कही है। बता दें कि किशोरी से दुष्कर्म के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने 12 दिसंबर को भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को दोषी करार दिया था। मंगलवार को सुनवाई के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश एहसानुल्लाह खान ने सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तिथि निर्धारित की थी। एमपी-एमएलए कोर्ट से विधायक रामदुलार गोंड को सजा होने पर पीड़िता के भाई ने खुशी जाहिर की। सुनवाई के दौरान मंगलवार को आए पीड़िता के भाई जब इस संबंध में वार्ता की गई तो उनका कहना था कि अदालत के फैसले वे वह बेहद खुश है। नौ साल के संघर्ष के बाद आज उसे न्याय मिला है। बता दें कि पीड़िता के भाई की शिकायत पर ही नौ साल पहले रामदुलार गोंड के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था।

'शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर 10 जनवरी तक करें फैसला', सुप्रीम कोर्ट का स्पीकर को निर्देश

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की सियासत के लिए एक बार फिर बड़ी खबर सामने आ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर फैसला लेने के लिए थोड़ा और समय दे दिया है। पहले 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 10 जनवरी कर दिया है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्तूबर को नार्वेकर को पार्टी में विभाजन के बाद एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए समय सीमा देने का मौका दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द से जल्द फैसला आना चाहिए। जिसके बाद सुनवाई को 30 अक्तूबर तक के लिए टाल दिया गया था। इसके बाद 30 अक्तूबर को सुनवाई हुई और इसमें विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था। 17 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा था कि हम समय सारिणी से संतुष्ट नहीं हैं। बता दें शीर्ष अदालत ने इससे पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थित विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिकाओं पर फैसला करने में देरी पर विधानसभा अध्यक्ष को कड़ी फटकार लगाई थी और कहा था कि स्पीकर शीर्ष अदालत के आदेशों को खारिज नहीं कर सकते। फैसला लेने में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष को उच्चतम न्यायालय की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष से कहा था कि वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 56 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं को जल्द अपने सामने सूचीबद्ध करें। कोर्ट ने अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए एक समय-सारणी निर्धारित करने का भी निर्देश दिया था।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवादः मुस्लिम पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट से झटका, हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से इनकार

नई दिल्ली। कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर विवाद में मुस्लिम पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 दिसंबर को दिए फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर का तीन अधिवक्ता आयुक्तों की टीम द्वारा सर्वे करने का आदेश दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को शाही ईदगाह विवाद से जुड़े 18 मामलों में से 17 मामलों की सुनवाई की। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित शाही ईदगाह परिसर का सर्वे करने का निर्देश दिया। यह सर्वे अधिवक्ता आयुक्तों की टीम करेगी। हालांकि सर्वे कब शुरू होगा, इसकी तारीख आनी अभी बाकी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट 9 जनवरी को इस मामले पर सुनवाई करेगा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर की 13.37 एकड़ जमीन को लेकर विवाद है। इस जमीन का कमिश्नर सर्वे वाराणसी की ज्ञानवापी परिसर की तरह होगा। अधिवक्ता आयुक्तों की टीम विवादित परिसर में जाकर सबूत जुटाएगी और कोर्ट को अपनी रिपोर्ट देगी। हाईकोर्ट 18 दिसंबर को इस मामले पर फिर सुनवाई करेगा, जिसमें सर्वे के तरीके, सर्वे करने वाली टीम के सदस्यों के नाम, सर्वे कब होगा और सर्वे की

फोटो और वीडियोग्राफी कैसे होगी? इस पर निर्देश दिए जाएंगे।

हिंदू पक्ष का दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद में मंदिर होने के प्रमाण मौजूद हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और वादी अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह का दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद की दीवारों पर कमल पुष्प, ओम और शेषनाग की आकृति मौजूद है और ये आकृतियां सनातन धर्म की प्रतीक हैं। यही वजह है कि हिंदू पक्ष ने हाईकोर्ट में मस्जिद परिसर का सर्वे कराने का निर्देश दिया है। वहीं मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद परिसर में ऐसे कोई चिन्ह या आकृति मौजूद नहीं हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और शाही ईदगाह मस्जिद का यह पूरा विवाद 13.37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक को लेकर है। इस जमीन के 11 एकड़ में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर है तो बाकी बचे 2.37 एकड़ में शाही ईदगाह मस्जिद बनी है। हिंदू पक्ष का दावा है कि पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर की है और पूरी जमीन उन्हें देने की मांग कर रहा है। वहीं मुस्लिम पक्ष इस दावे से इनकार कर रहा है। जानकार दावा करते हैं कि इस विवाद का इतिहास 350 साल पुराना है। साल 1670 में जब दिल्ली में मुगल शासक औरंगजेब का शासन था, उसी दौरान ठाकुर केशव देव मंदिर को तोड़कर उसके ऊपर शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई गई थी। मस्जिद के निर्माण में मंदिर के ही अवशेषों का इस्तेमाल किया गया था। यही वजह है मस्जिद में सनातन धर्म के प्रतीक होने का दावा किया जा रहा है।

बेलगावी में महिला को निर्वस्त्र घुमाने के मामले की नड्डा ने की निंदा; पांच नेत्रियों की समिति बनाई

बंगलूरू। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कर्नाटक के बेलगावी में आदिवासी महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना की निंदा की है। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से कांग्रेस सत्ता में आई है, तब से महिलाओं के साथ होने वाले जघन्य अपराध बढ़ गया है और यह अब रोजाना हो रहा है। नड्डा ने कहा कि यह कांग्रेस के गैरजिम्मेदाराना व्यवहार को दशार्ता है। इस मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को जल्द अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस कमेटी में श्रीमती अपराजिता सरांगी, श्रीमती सुनीता दुग्गल, श्रीमती लॉकेट चटर्जी, श्रीमती रंजीता कोली और डॉ. श्रीमती आशा लकरा को शामिल किया गया है। कर्नाटक के बेलगवी जिले में महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई थी। दरअसल महिला का बेटा एक लड़की के साथ घर छोड़कर भाग गया था, जिसकी सगाई किसी और से होने वाली थी। इस कृत्य के बारे में पता चलने पर लड़की के परिवार के सदस्यों ने न्यू वंतामुरी गांव में उसके घर पर हमला किया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद वे उसकी मां को घसीटकर ले गए। उसे निर्वस्त्र घुमाया और बिजली के

खंभे से बांधकर उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जिन लोगों ने यह अपराध किया है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। राज्य गृह मंत्री जी परमेश्व ने इलाके का दौरा करने वाले गृह मंत्री जी परमेश्वर ने घटना को अमानवीय करार दिया।

संपादकीय

समझौते की सार्थकता

विश्वव्यापी जलवायु संकट के बीच दुबई में आयोजित जलवायु परिवर्तन केंद्रित सीओपी-28 में भले ही कोई क्रांतिकारी फैसला ग्लोबल वार्मिंग तापमान को नियंत्रण के बाबत न लिया जा सका हो, लेकिन दुनिया के लगभग दो सौ देश जीवाश्म ईंधन, मसलन कोयले, तेल और गैस का इस्तेमाल धीरे-धीरे खत्म करने पर जरूर राजी हुए हैं। हालांकि, अभी भी तमाम विकासशील देशों में कई तरह की चिंताएं हैं कि समझौते के व्यापक प्रावधान क्या होंगे और उनकी आर्थिक विकास में आने वाली बाधाओं का मुकाबला कैसे होगा। लेकिन इसके बावजूद सम्मेलन में किसी मुद्दे पर सहमति बनना एक उम्मीद जरूर जगाती है। कुछ देश उम्मीद लगाए बैठे थे कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को खत्म करने के लिए किसी समयबद्ध कार्यक्रम की रूपरेखा तय होगी। वे इस बदलाव की राह में आगे बढ़ाने के वायदे से संतुष्ट नजर नहीं आए। विडंबना यह है कि संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित इस जलवायु सम्मेलन में जीवाश्म ईंधन को खत्म करने का विरोध ओपेक देशों के सदस्य ही कर रहे थे। वैसे भी जीवाश्म ईंधन से अर्थव्यवस्था व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति चलाने वाले देशों से ज्यादा उम्मीद भी नहीं की जा सकती। इसके विपरीत तेल उत्पादक देश कार्बन जमा करने की तकनीकों को बढ़ावा देने पर बल देते रहे। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी उम्मीद थी कि दुनिया के संपन्न देश जीवाश्म ईंधन समाप्त करने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करें, लेकिन वैसा होता नजर नहीं आया। इसकी वजह यह थी कि ताकतवर राष्ट्रों ने दुनिया के प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन करके अपना औद्योगिकीकरण किया। निस्संदेह, उसकी ग्लोबल वार्मिंग में बड़ी भूमिका रही है। जब विकासशील देशों के विकास ने गति पकड़ी तो उन्हें पर्यावरण संकट पर जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करने से रोका जाने लगा। ऐसे समय पर जब पश्चिमी देश पहले ही अपने जीवाश्म ईंधन का अधिकतम उपयोग कर चुके हैं, विकासशील देशों के साथ बाध्यकारी शर्तें अन्यायपूर्ण ही कही जाएंगी। दरअसल, इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि क्षतिपूर्ति के तौर पर विकसित देश विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता देने को राजी नहीं हुए हैं। तीसरी दुनिया के देश जीवाश्म ईंधन के विकल्प में जिस नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग करेंगे, उसके संबल को दी जाने वाली रकम बेहद कम है। इसके लिये सत्तर करोड़ डॉलर का फंड नाकाफी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की लड़ाई में दुनिया के गरीब मुल्कों को बड़ी पूंजी की जरूरत होगी। कहा जा सकता है कि दुबई में संपन्न पर्यावरण सम्मेलन उन लक्ष्यों तक नहीं पहुंचा है, जहां तक पहुंचने की उम्मीद लगाई गई थी। सम्मेलन की सफलता इस बात पर निर्भर करती कि विकासशील व गरीब मुल्कों को नवीकरणीय ऊर्जा के प्रतिस्थापन के लिये कितनी ठोस आर्थिक मदद का प्रावधान किया गया है। साथ ही उन देशों की मदद के लिये अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने कोई ठोस प्रयास नहीं किये जो ग्लोबल वार्मिंग के चरम का सामना करते हुए, भयावह आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। दुनिया के तमाम मुल्क बाढ़ व सूखे की त्रासदी झेल रहे हैं। जिनमें उत्तरी पूर्वी अफ्रीकी देशों की स्थिति ज्यादा ही खराब है। इनमें कई देश ऐसे हैं जो कई सालों से निरंतर सूखे की भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। दरअसल, हमारे दरवाजे पर दस्तक दे चुके ग्लोबल वार्मिंग संकट के मुकाबले के लिये विकसित देशों व दुनिया की वैज्ञानिक बिरादरी को ठोस प्रयास करने की जरूरत है, ताकि भूख व विस्थापन के संकट का मुकाबला किया जाए। दुनिया की खाद्य श्रृंखला को बचाने की भी सख्त जरूरत है। साथ ही उन सस्ती तकनीकों व उपकरणों की जरूरत गरीब मुल्कों को है जो 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तीन गुना बढ़ाने में सहायक हों। साथ ही ग्लोबल वार्मिंग में बड़ी भूमिका निभाने वाली मीथेन गैस का उत्सर्जन कम करना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह सुखद है कि तीन दर्जन से अधिक गैस-तेल उत्पादक कंपनियां मीथेन उत्सर्जन कम करने पर सहमत हुई हैं। साथ ही मानवता की रक्षा के लिये ग्लोबल वार्मिंग प्रभाव से बढ़ने वाली बीमारियों पर नियंत्रण व प्रभावित देशों की मदद की भी जरूरत है।

फामूर्ला तय!

बन गई है बात ।
फामूर्ला तय ।।
लड़ना इतनी सीटों पर ।
मिल रही है लय ।।
नई नई है बात चली ।
चर्चा इस प्रकार ।।
साथ आगे रहने का ।
बन रहा आधार ।।
मंच से इसे सार्वजनिक ।
है झटपट कर डाला ।।
कोशिश में हैं आगे भी ।
लौटे ये उजाला ।।
और इशारों में ही ।
है किए प्रहार ।।
शायद दिखे और भी ।
नया चमत्कार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए हटने की बहस पर पूर्ण विराम लगना देशहित में है

मृत्युंजय दीक्षित

भारत की संप्रभुता और जम्मू-कश्मीर प्रान्त के लिए 11 दिसंबर 2023 एक ऐतिहासिक दिन बनकर आया। इस दिन उच्चतम न्यायालय की पांच जजों की संविधान पीठ ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाने के निर्णय को वैध ठहराते हुए कहा कि यह एक अस्थाई धारा थी जिसे आज नहीं तो कल हटना ही था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी व्यवस्था थी। अदालत ने कहा कि भारत का संविधान जम्मू-कश्मीर के संविधान से ऊंचा है और अनुच्छेद-370 को बेअसर करने से जम्मू-कश्मीर को भारत के साथ जोड़ने की प्रक्रिया मजबूत हुई है। न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि धारा 370 को हटाना संवैधानिक रूप से वैध है और केंद्र सरकार का निर्णय बिल्कुल सही है।

उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कई महत्वपूर्ण व ऐतिहासक टिप्पणियां की हैं जिनमे कहा गया है कि विलय पत्र पर हस्ताक्षर होने के बाद जम्मू-कश्मीर के पास संप्रभुता का कोई तत्व नहीं है। जम्मू-कश्मीर के लिए कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं है। राष्ट्रपति की शक्ति का प्रयोग राष्ट्रपति के शासन के उद्देश्य के साथ उचित संबंध होना चाहिए। न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि जब संविधान सभा भंग कर दी गई तो सभा की केवल अस्थायी शक्ति समाप्त हो गई और राष्ट्रपति के आदेश पर कोई प्रतिबंध नहीं रहा। राष्ट्रपति द्वारा सत्ता का उपयोग दुर्भावनापूर्ण नहीं था और राज्य के साथ किसी सहमति की आवश्यकता नहीं थी। राष्ट्रपति द्वारा सत्ता का निरंतर प्रयोग दशार्ता है कि एकीकरण की प्रक्रिया जारी थी और इस प्रकार से सीओ 273 अवैध है। जम्मू-कश्मीर का संविधान क्रियाशील है और इसे निरर्थक घोषित कर दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जायेगा और हम लद्दाख को अलग करने के फैसले को बरकरार रखते हैं। उच्चतम न्यायालय ने अंत में कहा कि हम चुनाव आयोग को निर्देश करते हैं कि पुनर्गठन अधिनियम और राज्य के दर्ज 14 की धारा के अंतर्गत 30 सितंबर 2024 तक चुनाव कराये जायें। न्यायालय ने एक यह व्यवस्था भी दी है कि राज्य में 1980 के बाद हुई सभी प्रकार की आतंकवादी /पलायन की घटनाओं की जांच के लिए एक कमेटी बनायी जाये जो एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात और कश्मीरी पंडितों के लिए न्याय प्राप्ति का मार्ग खोलती है। इस व्यवस्था के आने के बाद 1980 के बाद घाटी में कश्मीरी पंडितों के साथ जो वारदातें हुई हैं उनकी जांच अब की जा सकेगी। उच्चतम न्यायालय की इस बेंच की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ कर रहे थे तथा बेंच में जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल थे। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 पर अपने फैसले में जस्टिस संजय किशन कौल ने कश्मीरी पंडितों के पलायन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हाने 1980 से राज्य में हुए मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच के लिए एक सत्य और सुलह आयोग बनाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि यह आयोग आपराधिक जांच आयोग की तरह काम नहीं करेगा। जस्टिस कौल का मानना

है कि आतंक के चलते राज्य की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने बहुत कुछ झेला है। इसे भुलाकर आगे बढ़ने के लिए जख्मों को ठीक करने की जरूरत है। राज्य एवं राज्य से बाहर के तत्वों के द्वारा यहां के लोगों के विरुद्ध किये गये मानवाधिकारों के हनन की सामूहिक समझ विकसित करना ही मरहम लगाने की दिशा में पहला निष्पक्ष प्रयास होगा। आयोग के सहारे काफी हद तक उनकी क्षतिपूर्ति की जा सकती है। गौरतलब है कि 5 अगस्त 2019 को गृहमंत्री अमित शाह द्वारा प्रस्तुत अनुच्छेद 370 व 35 ए को हटाने से सम्बंधित विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो जाने के बाद जम्मू-कश्मीर राज्य के परिवारवादी नेता फारुख अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती जैसे लोग व कई अन्य संगठन इसके विरुद्ध उच्चतम न्यायालय पहुंच गये थे। उन सभी की याचिकाओं पर अगस्त से सितंबर माह के बीच 16 दिन चली सुनवाई के बाद यह ऐतिहासिक निर्णय आया है जिस पर पर सभी देशवासियों और राजनैतिक दलों सहित अलगाववादी नेताओं और पाकिस्तान की भी दृष्टि थी।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ वाली खंडपीठ के फैसले के बाद पाक परस्त अलगाववादी नेताओं व कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष के पैरों तले जमीन खिसक गयी है। उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद-370 व 35-ए को हटाने का निर्णय वैध बताये जाने के बाद जहाँ एक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के निर्णय को अब संवैधानिक मान्यता मिल गयी है वहीं दूसरी और कांग्रेस सहित उस संपूर्ण विपक्ष की राजनीति को बहुत गहरा आघात लगा है जो राष्ट्रीय संप्रभुता के इस विषय को भी तुष्टिकरण की राजनीति के चश्मे से देख रही थी। अनुच्छेद 370 पर विपक्षी नेता और अलगाववादी जो अनर्गल प्रश्न उठा रहे रहे थे उन सभी प्रश्नों का उत्तर उच्चतम न्यायालय ने दे दिया है और यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अब धारा 370 पर पूर्ण विराम लग चुका है। उच्चतम न्यायालय का निर्णय आने के बाद अब जम्मू-कश्मीर देश के अन्य राज्यों की तरह समान व्यवस्था वाला राज्य बन गया है। उच्चतम फैसला आ जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के गुपकार गठबंधन के नेताओं व अलगावादियों के होश उड़ गये हैं। जम्मू-कश्मीर में गुपकार गठबंधन के सभी नेता जिस प्रकार अदालत के निर्णय को मानने से इंकार करते हुए जिस प्रकार एक लंबे संघर्ष की बात कर रहे हैं वह एक चिंतनीय विषय है। उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रिया सामने आ गयी है और वहां पर खलबली मची है। उच्चतम न्यायालय का निर्णय आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स पर लिखा कि अनुच्छेद-370 को निरस्त करने का निर्णय ऐतिहासिक है। यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हमारी बहनों और भाईयों के लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है। न्यायालय ने अपने गहन ज्ञान से एकता के मूल सार को मजबूत किया है। जिसे हम भारतीय होने के नाते बाकी सबसे प्रिय मानते हैं और संजोते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित कई भाजपा नेताओं ने न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि यह निर्णय राष्ट्रीय एकता को मजबूत करेगा। अनुच्छेद-370 के कारण जम्मू-कश्मीर में वर्षों से अन्याय सह रहे लोगों को इस निर्णय से मुक्ति मिली है।

ओबीसी, आदिवासी और ब्राह्मण सीएम का दांव खेल कर मोदी ने विपक्ष को कर दिया चित

संतोष पाठक

मोदी-शाह और नड्डा की तिकड़ी ने वो कमाल कर दिखाया है जो आज से महज एक सप्ताह पहले तक कोई सोच भी नहीं सकता था। यह तो सब मान कर चल रहे थे कि अगर भाजपा इस बार छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सत्ता में आती है तो भी रमन सिंह, शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया का फिर से मुख्यमंत्री बनना मुश्किल है लेकिन यह सब इतनी आसानी से हो जाएगा और यही तीनों नेता अपने-अपने राज्य में नए मुख्यमंत्री का नाम प्रस्तावित करेंगे, ऐसा किसी ने सोचा तक नहीं था।

लेकिन छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मुख्यमंत्रियों के चयन ने लोगों और भाजपा नेताओं के साथ-साथ विपक्षी दलों को भी हैरान-परेशान कर दिया है बल्कि अगर यह कहा जाए कि ओबीसी, आदिवासी और ब्राह्मण सीएम का दांव खेल कर मोदी ने विपक्ष को चारों खाने चित कर दिया है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। ओबीसी कार्ड के जिस दांव के सहारे

अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में और तेजस्वी यादव बिहार में कुल मिलाकर लोक सभा की 120 सीटों को साधने की रणनीति बना रहे थे, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में एक यादव मुख्यमंत्री बनाकर विफल कर दिया है। ओबीसी यादव मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यादव नाम के सहारे राजनीतिक दल चलाने वाले अखिलेश यादव और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव के सामने एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने सिर्फ छत्तीसगढ़ का चुनावी गणित ही नहीं साधा है बल्कि देश भर के 10 करोड़ से ज्यादा आदिवासी जनसंख्या को एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी दे दिया है। लोक सभा की 543 सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। ये 47 सीटें छत्तीसगढ़ के अलावा असम, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, राजस्थान, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल सहित 17 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों से आती है। इन 47 लोक सभा सीटों के अलावा भी 50 से ज्यादा सीटों पर आदिवासी मतदाता जीत-हार में बड़ी भूमिका निभाते हैं। अगड़ी जातियों की नाराजगी की खबरों के बीच भाजपा ने राजस्थान में ब्राह्मण चेहरे भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर बड़ा दांव खेल कर हिंदी भाषी राज्यों के अगड़े वर्ग के वोटरों खासकर ब्राह्मण मतदाताओं को लुभाने का बड़ा प्रयास किया है। अगर भाजपा का यह राजनीतिक दांव चल गया तो राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित हिंदी पट्टी के राज्यों में भाजपा को जबरदस्त बढ़त मिलना तय जा रहा है क्योंकि खुश होने पर ब्राह्मण जाति सिर्फ वोट देकर घर नहीं बैठ जाते हैं बल्कि यह अपने सामाजिक प्रभाव का इस्तेमाल कर अन्य जातियों का वोट दिलवाने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। जाहिर है कि नए चेहरों पर दांव खेलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल भविष्य की भाजपा को तैयार कर रहे हैं बल्कि एक बार फिर उन्होंने अपने राजनीतिक कौशल का परिचय देते हुए विपक्षी दलों को चारों खाने चित कर दिया है।

संसद में छोड़े गये 'पीले रंग' में छिपे 'काले उद्देश्य' का पता लगाना बेहद जरूरी है

डॉ. रमेश ठाकुर

शीतकालीन सत्र के 10वें दिन भारतीय संसद के अंदर शायद कुछ बहुत बड़ा होना मुकर्रर था क्योंकि 22 बरस पहले आतंकवादियों द्वारा दिया एक नासूर जख्म जो प्रत्येक 13 दिसबंर की तारीख के दिन याद करके हरा हो जाता है। खैर, गनीमत ये समझें कि संभावित घटना पीले रंग तक ही सीमित रही, वरना कुछ काला भी हो सकता था। 13 तारीख वैसे भी संसदीय परंपरा के लिए काली तारीख ही है। केंद्र सरकार इस अधूरी घटना को हल्के में कतई न ले। नहीं, तो पीले रंग में छिपी ये संदेशवाहक घटना कभी भी पूर्ण घटना में तब्दील हो सकती है। इतना सतर्क हो जाना चाहिए कि दुश्मन घात लगाए बैठा है इसलिए अभी से इस तस्वीर को गंभीरता से लेने की आवश्कता है। आरोपियों की बुनी साजिश की जड़ तक घुसना होगा? उनका मकसद दहशत फैलाना मात्र था या कुछ और? फिलहाल ऐसे तमाम सवाल खड़े हो चुके हैं। पर, अव्वल तो इस घटना को घोर लापरवाही और सुरक्षातंत्र की नाकामी ही कहेंगे। चाकचौबंद सुरक्षा-व्यवस्था से कहां चूक हुई, इसकी भी समीक्षा किए जाने की जरूरत है।

बहरहाल, संसद तो नई-नवेली है, जिसे अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकों से लैस बताया जाता है। लेकिन घटना जिस अंदाज में घटी उससे साफ पता चलता है कि साजिश की तासीर कुछ और थी। आरोपी सामान्य हैं या असामान्य प्रवृत्ति के, ये तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा। पर, लोग अंदेशा ऐसा भी लगा रहे हैं कि कहीं 22 साल पहले 13 दिसंबर को जो घटना संसद में घटी थी ये उसकी पुनरावृत्ति तो नहीं? या फिर उसका पार्ट-2 की चेतावनी है। इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी हो, ये बिना देर किए सुनिश्चित हो। एक थ्योरी ये समझ में नहीं आती कि आखिर शीतकालीन सत्र को चले कई दिन हो चुके हैं। पर, हरकत संसद हमले की बरसी के दिन ही क्यों होती है? अचंभित कर देने वाली बात एक ये भी है कि आरोपियों ने भगत सिंह के स्टाइल को क्यों कॉपी किया? पीला धुंआ फैलाकर, नारे लगाना, तानाशाही से मुक्ति मिले? आखिर ये सब किस ओर इशारा करता है। कौन है घटना के पीछे, उसे सामने लाना ही होगा और आरोपी ने जो तानाशाही से आजादी के नारे लगाए हैं उसके निहितार्थ भी सार्वजनिक होने चाहिए।

आरोपियों का हमले की बरसी के दिन संसद अटैक-2 का संदेश देना निश्चित रूप से बेचैन करता है। पीले रंग में छिपे काले संदेश को समझा होगा। दुश्मन अंदरूनी है या बाहरी? उन्हें खींचकर बाहर निकालना होगा। प्रतीत ऐसा होता है कि आरोपी सिर्फ मोहरा मात्र हैं।

मास्टर माइंड कोई और ही है? जब से नई संसद में सत्र और संसदीय कार्य शुरू हुए हैं। संसद सदस्य अपनी सुरक्षा के प्रति निश्चित और बेखबर हैं। क्योंकि संसद की सुरक्षा सेफ्टी मानकों के लिहाज से अत्याधुनिक बताई जाती है। संसद की एक-एक ईंट और चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा पहरा बिछा हुआ है। खुदा न खास्ता इंसानी सुरक्षा तंत्र से अगर कोई चूक भी हो जाए, तो पूरी बिल्डिंग तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों से लैस है। कोई संदिग्ध क्या, परिंदा भी पर नहीं मार सकता। पर, अब इन मौखिक और कागजी सुरक्षा व्यवस्था पर संसद सदस्यों को एतबार नहीं रहा। क्योंकि उन सभी को धता बताते हुए आरोपी विजिटर बनकर आसानी से भीतर घुस गए और अपने मंसूबों को अंजाम दे दिया।

गनीमत ये समझें कि घटना के दौरान आरोपियों के हाथ में सिर्फ स्मोक बम ही थे, अगर असलहा-वगैरह होता तो वो इस्तेमाल भी कर सकते थे। क्योंकि जब वो सुरक्षा तंत्र की आंखों में धूल झोंककर आपत्तिजनक वस्तुएं अंदर ले जा सकते हैं तो बंदूक-बारूद क्यों नहीं? इसलिए घटना को सबसे पहले सुरक्षा चूक ही कहेंगे। जबरदस्त सुरक्षा पहरे को बेवकूफ बनाकर स्मोक बम फेंककर संसद के भीतर आरोपी अफरा-तरफी मचा देते हैं। बकायदा विजिटर बनकर संसद की कार्यवाही देखने पहुंचते हैं। दर्शक दीर्घा में करीब चार-पांच घंटे बिताते हैं और लंच से पहले अचानक छलांग लगाकर सांसदों की कुसियों तक जाते हैं। पीले रंग का स्मोक बम फोड़ देते हैं। तानाशाही से आजादी जैसे नारे लगाते हैं। ये पूरा वाकया तकरीबन चालीस से पैंतालीस मिनट तला। सुरक्षाकर्मियों के पहुंचने से पहले दो सांसद हनुमान बेनीवाल और मलूक नागर हिम्मत दिखाकर उन्हें दबोचते हैं और उन्हें सुरक्षा कर्मियों के हवाले करते हैं।

आरोपी मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की सिफारिश पर कार्यवाही देखने पहुंचे। वो झूठ बोल रहा है या सच? ये जानने के लिए उसका नार्को, पॉलीग्राफ और ब्रेन मैपिंग टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। अगर कोई गहरी साजिश है भी, जैसा कि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी दावा कर रहे हैं, तो उसे पता लगाने की दरकार है। संसद में सुबह तक सब कुछ नॉर्मल था। 22 वर्ष पूर्व हुए हमले की बरसी थी जिस पर सभी सांसदों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उसके बाद रोजाना की भांति सत्र की कार्यवाही में हिस्सा लेने जाते हैं। किसी को थोड़ा-सा भी अंदेशा नहीं था कि नई संसद में भी कोई ऐसी भी हरकत कर सकता है। संसद सदस्य आश्वस्त थे कि नई संसद सुरक्षा मानकों के चलते अभेद्य है। बावजूद आरोपी चार नंबर गेट से विजिटर बनकर प्रवेश कर जाता है। क्या आरोपी स्मोक बम के जरिए कोई संदेश फैलाना चाहता था, ये फिर उसे मात्र पब्लिसिटी चाहिए थी। हालांकि ऐसे सभी सवालों की लंबी लिस्ट बनाकर स्थानीय पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां पूछताछ में लगी हैं। लेकिन विपक्षी दल किसी बड़ी घटना होने की आशंका जता रहे हैं। उनकी आशंकाओं को ध्यान में रखकर भी जांच करनी चाहिए, इसके अलावा उसी वक्त बाहर भी एक युवती-युवक तानाशाही से आजादी के नारे लगा थे, उनसे भी कड़ाई से पूछताछ होनी चाहिए। देशवासियों में ये संदेश बिल्कुल भी नहीं जाना चाहिए कि जब संसद ही सुरखित नहीं तो वो भला कैसे सुरक्षित होंगे।

107 जोड़े सामूहिक विवाह के जरिये परिणय सूत्र में बंधे

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड मुख्यालय मंगारी पर शुक्रवार को आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 107 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस दौरान विधायकद्वय ने नव दम्पत्ति को आशीर्वाद दिया। पिंडरा ब्लॉक पर आयोजित सामूहिक विवाह के दौरान पूरे परिसर को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ कर्मकांडी ब्राम्हणों द्वारा जोड़ो का विवाह कराया गया। इस दौरान पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहाकि यह योजना गरीब परिवार के बेटियों के हाथ पीले कराने में मदद करता है। सरकार हर वर्ग और समाज के प्रति संवेनशील है। वही अजगरा विधायक टी राम ने कहाकि सरकार आपके द्वार है बस आपको उसका लाभ उठाना है। अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र विश्वकर्मा , संचालन एडीओ पंचायत अशोक चौबे व धन्यवाद ज्ञापन बीडीओ छोटेलाल तिवारी ने दिया। सामूहिक विवाह के मंडप में पिंडरा के 60 तथा बड़ागांव के 41 जोड़ो ने फेरे लिए। वही पिंडरा के 3 तथा बड़ागांव के 3- 3 जोड़ो का निकाह कराया गया। इस दौरान कुल 107 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। ब्लॉक के अधिकारी व कर्मचारी घराती के रूप में दिखे। नवविवाहित जोड़ो को आशीर्वाद देने के लिए एडीओ सहकारिता प्रियंका मिश्रा, बृजेश पांडेय, धर्मेन्द्र सिंह, अश्वनी सिंह, समेत अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा गणमान्य लोग रहे।

ऑल इंडिया रेलवे कुश्ती में लक्ष्मण ने जीता सिल्वर मेडल

प्रखर वाराणसी। आगरा में आयोजित 64 में ऑल इंडिया रेलवे कुश्ती चैंपियनशिप में बरेका की तरफ से खेलते हुए लक्ष्मण पहलवान ने फ्री स्टाइल के 65 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर बरेका का नाम रोशन किया। श्री लक्ष्मण पहलवान लगातार कई वर्षो से ऑल इंडिया रेलवे में लगातार मेडल देते चले आ रहे हैं लक्ष्मण पहलवान जिला कुश्ती संघ भारतीय पद्धति वाराणसी के पदाधिकारी भी है। लक्ष्मण पहलवान की इस उपलब्धि पर जिला कुश्ती संघ भारतीय पद्धति वाराणसी के जिला अध्यक्ष रामसेवक यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी।

विद्युत तार के चपेट में आने से किसान हुआ अचेत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के चितौरा गांव में रात में गिरे विद्युत तार के चपेट में आने से खेत जा रहे 40 वर्षीय किसान बेहोश हो गया। विद्युत उपकेंद्र गजोखर से सम्बद्ध चितौरा गांव में 440 बोल्ट का तार खड़ंजे पर टूट कर गिर गया था। शुक्रवार को अलसुबह साढ़े 5 बजे किसान श्यामबली यादव उसके चपेट में आ गया। तभी आसपास के लोग बॉस बल्ली से तार को उससे अलग किया और बेहोशी की हालत में उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।वही उक्त घटना से गांव में कोहराम मच गया और जेई को सूचना देकर लाइन कटवाने के साथ तार को रास्ते में से ग्रामीणों ने हटाया। लेकिन देर शाम तक विद्युत आपूर्ति बहाल नही हो पाई। जिससे एक दर्जन घर अंधेरे में रहे।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट मृणाली ने एसडीएम सदर का पदभार ग्रहण किया

प्रखर गोरखपुर। 2021 बैच की आईएएस अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी एसडीएम सदर का पदभार किया ग्रहण। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वकांक्षी योजनाओ को अमली जामा पहनाने के लिए अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ मिलकर महत्वकांक्षी योजनाओं को गुणवत्ता युक्त निष्पक्ष बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहेगी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी ने बताया कि हमारे कार्यालय में आने वाले हर पीड़ित के साथ न्याय उचित न्याय संगत न्याय देने का कार्य किया जायेगा अधिवक्ताओं के साथ सामंजस बनाकर न्यायालय के कार्यों को निस्तारण करने का कार्य किया जाएगा जिससे वादकारियों को समय से न्याय मिल सके। संघ लोक सेवा आयोग से चयनित 2021 बैच की आईएएस मृणाली अविनाश जोशी का पहला पोस्टिग अलीगढ़ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के पद पर था जिन्हें शासन ने गोरखपुर का ज्वाइंट मजिस्ट्रेट बनाया जिन्हे बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश ने सदर तहसील का एसडीम बनाया जो आज शुक्रवार को अपने कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया कार्यालय के संबंधित कर्मचारियों व अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी फरियादी को बार-बार परेशान ना किया जाए किसी भी पटल पर कोई भी फाइल लंबित नहीं रहनी चाहिए समया अवधि के अंदर निस्तारित करने का कार्य करेंगे मृणाली अविनाश जोशी महाराष्ट्र प्रदेश के पुणे की रहने वाली हैं। अर्थशास्त्र में स्नातक एवं पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय में स्नातकोत्तर डिग्री धारक हैं।अब गोरखपुर में एसडीएम सदर रहते हुए मुख्यमंत्री के महत्वकांक्षी योजनाओ परियोजनाओं को अपने सहयोगीयो के साथ मिलजुल कर कार्य करते हुए बुलंदियों पर ले जाने का कार्य करूंगी जिससे सदर तहसील वासियों को मुख्यमंत्री के महत्वकांक्षी योजनाओं व परियोजनाओं का लाभ मिल सके।

डीएम व एसपी के द्वारा जनमानस को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु 'द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा' का किया गया शुभारम्भ

प्रखर संतकबीरनगर। 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा अभियान का शुभारम्भ किया गया जिसमे जिलाधिकारी संतकबीरनगर महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में सड़क सुरक्षा जागरुकता वाहन को झण्डा दिखाकर सड़क सुरक्षा पखवाड़ा' का शुभारम्भ किया गया। जिसमें शीत ऋतु में घने कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढने को लेकर भारी वाहनों जैसे गन्ने का ट्रैक्टर,ट्रक, ट्राला बस आदि वाहनों पर रिफ्लेक्टर अवश्य लगाने हेतु निर्देशित किया गया, परिवहन, पुलिस, लोक निर्माण, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग को कार्य योजना बनाकर पखवाड़े को सफल बनाए जाने के निर्देश दिए गए । सड़क पर बिना लाइसेंस व फिटनेस के वाहनों की जाँच की जायेगी, बसों के स्पीड कंट्रोल डिवाइस की जांच, चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच एवं क्रू की वर्दी की जांच, निगम एवं अनुबंधित बसों में रिफलेक्टिव टेप लगायें, चालकों को रात में बस संचालन के दौरान हेडलाइट के हाईबीम प्रयोग के संबंध में जानकारी देना जैसी गतिविधियों को सुनिश्चित कराया जाएगा। परिचालकों को नशा न करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। रैश ड्राइविंग पर नियंत्रण के लिए मार्ग पर बसों का औचक निरीक्षण तथा चालकों की काउंसिलिंग के साथ ही समस्त चालकों की सड़क सुरक्षा के संबंध में काउंसिलिंग एवं प्रशिक्षण के अंतर्गत सीएमवीआर रुल्स तथा वर्तमान परिस्थितियों में एक्सप्रेस-वे व अन्य हाईवेज पर बस के सुरक्षित संचालन, लेन ड्राइविंग ओवरटेकिंग, ब्रेकिंग आदि की जानकारी दी जायेगी ।

20 सालों से बसी कॉलोनी में अब तक नहीं हुआ सड़कों का निर्माण

प्रखर वाराणसी। सारनाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंह पुर अरिहंत नगर कॉलोनी फेस 1 निवासियों ने यह बताया कि 20 साल से कॉलोनी में अब तक आने जाने के नहीं बने रास्ते हैं और नहीं सड़कों का निर्माण है। कितने सरकारे केवल आई गई गई और बड़े-बड़े वादे ही करते गए माननीय नरेंद्र मोदी जी की संसदीय क्षेत्र में अरिहंत नगर कॉलोनी में अभी भी पक्की सड़कों का कोई निर्माण नहीं हुआ।जो कि नगर निगम के अंतर्गत आता है। सड़के इतनी दुर्लभ और खराब है कि बच्चों के स्कूल आने जाने वह बुजुर्गों को रास्ते चलने में भी बारिश के दिनों में दिक्कत सामना करना पड़ता है। इस मामले को लेकर के कई बार अरिहंत नगर निवासियों सभासद, पार्षद, मंत्री तक अपनी परेशानियों का गुहार लगा लिया है। लेकिन अभी तक उन्हें समाधान के नाम पर केवल सांत्वना ही मिलता रहा है। (सुत्रो) द्वारा व कॉलोनी निवासियों ने बताया कॉलोनी में अभी तक नहीं सीवर की व्यवस्था है और ना ही तो बिजली के खंभे और तारों की व्यवस्था भी नहीं है बड़ी मस्कत से एक खंभा लगा भी है जो की जर्जर अवस्था में है। किसी भी वक्त दुर्घटना हो सकता है। जब एक तरफ जहां बड़े-बड़े विकास के दावे किए जाते हैं और दूसरी तरफ कॉलोनी निवासियों का यह कहना है कि 20 सालों से इस समस्या को झेल रहे हैं हमारी सरकार से यही पक्की सड़के बिजली खंभे और सीवर लाइन बनाया जाए। जबकि सारनाथ क्षेत्र में सीवर के कार्य प्रगति पर चल रहे हैं और अरिहंत नगर कॉलोनी से लगभग 100 मीटर तक सीवर की पाइप आ गई है लेकिन अभी तक अरिहंत नगर कॉलोनी में सीवर का कोई व्यवस्था नहीं है। जिससे घरों के पानी रास्ते में गिरने के कारण और भी दुर्लभ हो जाते हैं।

छात्र के निधन पर विश्वविद्यालय में हुई शोकसभा

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को फामेर्सी संस्थान के विद्यार्थी विवेक कुमार के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई. कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है. उपकुलसचिव अमृतलाल ने विश्वविद्यालय शोक सन्देश पढ़ा. शोक सन्देश में विश्वविद्यालय ने विद्यार्थी के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की गई. दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया. इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी उमाशंकर, परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंह, प्रो. बी. बी तिवारी, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ अमित कुमार वत्स, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नन्द किशोर सिंह, महामंत्री रमेश कुमार यादव, राजेश सिंह समेत विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

गलत रिपोर्ट लगा किया जा रहा थाने पर आइजीआरएस का निपटारा

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। आमजन की सुनवाई व त्वारित निस्तारण के लिए लागू पीएम हेल्पलाइन, सीएम पोर्टल में जिम्मेदार अधिकारी ही गुमराह कर फर्जी रिपोर्ट लगा रहे हैं। दर्ज शिकायतों में बिना मौके पर जाए ही स्थलीय रिपोर्ट लगाई जा रही है। इससे आम नागरिकों को न्याय नहीं मिल पा रहा है और समस्या जस की तस बनी हुई है। मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की हर माह जिलाधिकारी समीक्षा करते है। उसके बाद भी आये दिन सहजनवां थाने पर शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली व गलत रिपोर्ट लगाया जा रहा है।बानगी के तौर पर इन प्रकरणों को लिया जा सकता है,जो संबंधित विभाग की पोल खोल रहे है। प्रकरण-एक,- सहजनवां थाना क्षेत्र के ग्राम कसरवल में पीएसी जवान दुर्गेश यादव के घर में हुई 5लाख से चोरी के मामले में मौका स्थल का बिना निरक्षण किये और प्रार्थी से बिना मिले सहजनवां थाने पर तैनात उ.नि. जितेन्द्र निर्मल के द्वारा गलत रिपोर्ट लगा दिया गया। प्रकरण-दो-आईजीआरएस का दूसरा मामला सहजनवां थाना क्षेत्र के सीहापार निवासी दो युवकों मुकेश कुमार दुबे तथा यादवेन्द्र के बीच एक दुसरे पर लगा रहे,पैसों के मामले में मारपीट के बाद एक पक्ष से मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया तथा दुसरे पक्ष से प्रार्थी यादवेन्द्र द्वारा आईजीआरएस पर थाना सहजनवा पर दबाव में आकर एक पक्षीय कार्रवाई का मामला दर्ज कराया गया था। जिस पर सहजनवां थाने में तैनात उप निरीक्षक विकास मिश्रा के द्वारा बिना जानकारी के या बिना प्रार्थी से मिले गलत रिपोर्ट लगा दिया गया है। जबकि सरकार द्वारा सभी को मौका मुआयना कर मामलों को निस्तारण करने का निर्देश दिया गया है।

सभी ग्राम पंचायतों में कराया जाए अमृत सरोवर का निर्माण : डीएम

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।इस दौरान अमृत सरोवर,आधार सीडिंग, पीएम ग्रामीण आवास योजना, सीएम आवास योजना,खेल के मैदान की उपलब्धता एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर के निर्माण की प्रगति के बारे में पूछताछ की। डीसी मनरेगा ने बताया कि 734 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 439 अमृत सरोवर निर्मित/ निमार्णाधीन हैं।शेष 285 अभी तक चिन्हित नहीं हैं। अबतक सिर्फ विकास खंड सदर में एक एकड़ के सभी तालाब को अमृत सरोवर बनाया जा चुका है। जिलाधिकारी ने इस संबंध में सभी बीडीओ को समीक्षा कर शेष अमृत सरोवर को यथाशीघ्र बनवाने का निर्देश दिया साथ ही सभी बीडीओ को ग्राम पंचायतवार रिपोर्ट उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संबंध में जिलाधिकारी ने इसकी बैठक अलग से विस्तारपूर्वक कराने के निर्देश दिए।इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सभी पंचायत भवनों के दस से पांच तक खुले रहने के निर्देश दिए साथ ही सभी पंचायत भवनों पर बी सी सखी के बैठने की व्यवस्था के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी एस एन श्रीवास्तव द्वारा आधार सीडिंग,पीएम ग्रामीण आवास योजना & सीएम आवास योजना के तीव्र गति से निर्माण एवं प्रत्येक ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, डीसी मनरेगा, डीडीओ एवं बीडीओ एवं पीडी डीआरडीए आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

शादी का झांसा देकर युवती को लेकर फरार अभियुक्त गिरफ्तार, पीड़िता बरामद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक महोदय नगर गाजीपुर के कुशल निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी सैदपुर निकट पर्यवेक्षण मे गुरुवार को उप निरीक्षक अविनाश मणि तिवारी मय हमराहियान के मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 123/2023 धारा 363,366,376 भादवि व 3/4 पाक्सो एक्ट थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर मे वांछित अभियुक्त विकास चौबे पुत्र परशुराम चौबे नि0ग्राम सचुई थाना रानीपुर जनपद मऊ उम्र करीब 19 वर्ष की गिरफ्तारी व पीडिता की बरामदगी बहरियाबाद पुराने पट्रोल पम्प के पास से की गयी। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अविनाश मणि तिवारी, महिला कांस्टेबल संजना गौतम, कांस्टेबल विवेक कुमार पटेल, कांस्टेबल विनय कुमार शामिल रहे।

थाना महुली पुलिस द्वारा 02 गुमशुदा बच्चों को उनके परिजन के किया गया सुपुर्द

प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक सन्तकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी धनघटा बृजेश सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना महुली अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना महुली पुलिस द्वारा 02 गुमशुदा बच्चों को उनके परिजन के सुपुर्द किया गया। कल दिनांक 14.12.2023 की शाम को विधायक धनघटा द्वारा थाना महुली अन्तर्गत मुखलिसपुर के पास सड़क पर गुमशुदा हालत मे मिले बच्चों को चौकी मुखलिसपुर को सुपुर्द किया गया था । जिसके उपरान्त मुखलिसपुर चौकी पर नियुक्त का0 लालजी द्वारा काफी प्रयास के उपरान्त दोनों बच्चों अरविंद यादव व गोविंद यादव पुत्रगण राम सिंह यादव ग्राम पटखौली थाना धनघटा जिला संतकबीरनगर को बच्चों के दादाजी श्री सभाजीत यादव को उनके घर ले जाकर सुपुर्द किया गया । परिजनों द्वारा पुलिस के प्रयासों की भूरि भूरि सराहना की गयी तथा धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

श्रीराम जन्म सहित नारद मोहभंग की लीला हुई सम्पन्न

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। गुरुवार की रात्रि श्रीराम लीला समिति के तत्वावधान में गांधी नगर कलक्टरगंज स्थित श्रीराम लीला मंच पर अगहन मास में होने वाली धनुष यज्ञ की लीला का दूसरे दिन भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों का बहुत ही भव्यता पूर्ण ढंग से जन्मोत्सव लीला मंचन सम्पन्न हुआ। इस दौरान नारद जी के मोहभंग की लीला भी सम्पन्न हुआ। भगवान श्रीराम जी के जन्म उत्सव की खुशी में महाराज दशरथ के साथ ही श्रीराम लीला अध्यक्ष ने दर्शकों को जम कर उपहार बाटे। इस दौरान गगनभेदी जय श्रीराम के जयकारे से पूरा वातावरण गुंजयमान हो उठा । वही व्यास जी भूमिका में भुवनेश्वर मोदनवाल छोटू में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संचालन आचार्य फिरतू राम यादव ने किया। कार्यक्रम में मनोज अग्रहरि, सर्वेश चौरसिया, अर्पित जायसवाल, रजनीश मोदनवाल, सुनील जायसवाल, गिरिधारी अग्रहरि, अजय अग्रहरि, काली चरण जायसवाल, आलोक जायसवाल, अजेंद्र अग्रहरि, शिवकुमार नेता, रचित चौरसिया आदि मौजूद रहे।

रेलवे की ग्रीको रोमन कुश्ती में यशपाल को ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर जताई खुशी

प्रखर कसया, कुशीनगर। आल इंडिया रेलवे की आगरा में आयोजित ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता में नार्थ ईस्ट रेलवे के पहलवान व कामन वेल्थ गेम में रजत पदक विजेता यशपाल के ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर खेल प्रेमियों ने खुशी व्यक्त की है। सभी ने कहा कि यश पाल ने नार्थ ईस्ट का नाम रोशन किया है। बीते 13 से 15 दिसम्बर तक आगरा में हुए आल इंडिया रेलवे की ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता के 97 किलो भार वर्ग में नार्थ ईस्ट रेलवे गोरखपुर के पहलवान यश पाल ने अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। यशपाल कामनवेल्थ गेम में भारत को सिल्वर मेडल दिलवाकर देश का नाम रोशन कर चुके हैं। इसी के साथ उत्तर पूर्व रेलवे के लिए भी कई बार इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में पदक दिलवा चुके हैं। कामनवेल्थ गेम विजेता यश पाल जो जनपद कुशीनगर में होने वाली दंगल प्रतियोगिताओं में सहयोग करते रहते हैं। यशपाल ने कहा कि मेरा सपना भारत के लिए वैश्विक स्तर की कुश्तियों में पदक जीतने का है। उनके ब्रांज मेडल जीतने पर उनके प्रशंसकों ने खुशी व्यक्त की है। यशपाल की जीत पर रेलवे सैयद मोदी स्टेडियम के खिलाड़ी अभय सिंह, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री आवास विकास अश्वनी त्रिपाठी, जयप्रकाश निषाद, बीओसी डब्ल्यू बोर्ड सदस्य अभय प्रताप नरायण सिंह, एबीपीएसएस प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नरायम सिंह, पवन कुमार शर्मा, मनीष यादव, विनय कुमार उपाध्याय, आरके भट्ट, एहतेशाम मिंटू लारी, ग्रामप्रधान शैलेश प्रताप सिंह, पीयूष सिंह, एडवोकेट कुशल प्रताप सिंह, आफताब आलम सहित खेल प्रेमियों ने खुशी व्यक्त की है।

भक्तों के उद्धार और दुष्टों के नाश के लिए कृष्ण ने लिया था जन्म : स्वामी रत्नेशाचार्य

चहनियां। जब धरती पर पाप बढ़ता है और धर्म की अवनति होती है, तब धर्म के मार्ग की स्थापना के लिए ईश्वर किसी न किसी रूप में प्रकट होते हैं। द्वापर युग में धर्म की हानि होने और अपने भक्तों को अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने बासुदेव और देवकी के पुत्र के रूप में जन्म लिया। यर बातें गुरुवार को क्षेत्र के मारूफपुर में रामअवतार यादव के संरक्षण में चल रहे सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत कथा महापुराण प्रवचन के पांचवें दिन स्वामी रत्नेशाचार्य जी महाराज ने कही। स्वामी रत्नेशाचार्य जी महाराज ने उपस्थित भक्तजनों को आगे बताया कि द्वापर युग में कंस स्वयं को भगवान मानने लगा था। वह प्रजा पर घोर अत्याचार भी करता था, जनता उसके अत्याचार से कराह रही थी। इसके साथ ही गोकुल क्षेत्र में बहुत से वर्षों से प्रतीक्षारत गोपियाँ, राक्षस, राक्षसी आदि का उद्धार करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने जन्मदिन लिया। श्रीकृष्ण के जन्म पर धरती, आकाश, पाताल, स्वर्ग, देवता, गंधर्व आदि में को अकस्मात ज्ञात हो गया कि भगवान ने कृष्ण के रूप में अवतार ले लिया है। कृष्ण ने चिरजगत को अच्छे कर्म करने का संदेश दिया।

उम्मीदवार विवेक रामास्वामी बोले– मैं हिंदू भगवान हम में से प्रत्येक के भीतर रहते हैं...

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी से उनके हिंदू धर्म के बारे में सवाल किया गया। इस पर उन्होंने ऐसा जवाब दिया कि बोलती बंद हो गई। सीएनएन के एक टाउनहॉल में आयोवा के एक मतदाता गनी मिशेल ने पूछा, ÷आप उन लोगों को कैसे जवाब देंगे जो दावा करते हैं कि आप हमारे राष्ट्रपति नहीं बन सकते क्योंकि आपका धर्म उस धर्म से मेल नहीं खाता है जिस पर हमारे संस्थापकों ने हमारे देश को आधारित किया था?

इस पर उम्मीदवार रामास्वामी ने जवाब दिया कि मैं एक हिंदू हूं। मैं अपनी पहचान नकली नहीं बनाऊंगा। हिंदू धर्म और ईसाई धर्म समान मूल्यों को साझा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर, मैं समझता हूं कि हर व्यक्ति यहां एक वजह से है और उस

वजह को पूरा करना हमारा नैतिक दायित्व है क्योंकि भगवान हम में से प्रत्येक के भीतर रहते हैं, भले ही भगवान हमारे माध्यम से विभिन्न तरीकों से काम करते हैं, हम हैं सभी समान हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरी परवरिश काफी पारंपरिक थी। मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया कि विवाह पवित्र हैं, परिवार समाज की आधारशिला हैं, जब चीजें काम नहीं करती हैं तो शादी से पहले संयम एक व्यवहार्य विकल्प है, व्यभिचार गलत है। जीवन के सुखों का आनंद लेने के लिए कुछ त्याग करना पड़ता है। 38 वर्षीय विवेक रामास्वामी दक्षिण पश्चिम ओहियो के मूल निवासी हैं। उनके माता-पिता केरल से अमेरिका चले गए थे।

विवेक रामास्वामी ने टाउनहॉल में यह भी कहा कि वह अपनी हिंदू आस्था के कुछ मूलभूत सिद्धांतों को यहूदी-ईसाई मूल्यों के साथ जोड़ते हैं लेकिन वह ईसाई धर्म का प्रसार करने के लिए सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रपति नहीं होंगे। जब रामास्वामी से उन लोगों की धारणा के बारे में पूछा जिनका मानना है कि वह उनके राष्ट्रपति नहीं बन सकते क्योंकि उनका धर्म वह नहीं है जिसके आधार पर हमारे पूर्वजों ने इसे आगे बढ़ाया था। रामास्वामी ने उत्तर में कहा, %%वह इस बात को विनम्रता के साथ खारिज करते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी हिंदू आस्था के कुछ मूलभूत सिद्धांतों को लोवा के अनेक मतदाताओं के यहूदी-ईसाई मूल्यों से जोड़ते हैं।

पीएम मोदी ने पोलैंड के नए प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क को दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डोनाल्ड टस्क को पोलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी है।श्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया कि पोलैंड का प्रधानमंत्री नियुक्त होने पर महामहिम डोनाल्ड टस्क आपको हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं भारत और पोलैंड के बीच दीर्घकालिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए आपके साथ मिलकर कार्य करने के लिए उत्सुक हूं। गौरतलब है कि पोलैंड में 15 अक्टूबर को चुनाव हुआ था जिसमें कुछ दलों का समूह जीता था। अलग-अलग टिकट पर चुनाव लड़ने वाले इन दलों ने श्री टस्क के नेतृत्व में एक साथ काम करने का संकल्प लिया था ताकि 'लॉ एंड जस्टिस पार्टी' की सरकार द्वारा कथित रूप से नष्ट किए गए।

आसमान में दिखेगी टूटते तारों की बरसात

विशेष उपकरण के बिना इसे देख सकते हैं

नई दिल्ली। जेमिनिड मीटियोर शावर गुरुवार को रात में अपने पीक पर होगा, जिसे 15 दिसंबर की सुबह तक आसमान में देखा जा सकेगा। इस खगोलीय घटना को देखने के लिए आपको किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं होगी। मीटियोर शावर तब होते हैं जब एस्टेरॉयड या कॉमेट के छोटे अवशेष हाई स्पीड से पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं जिससे आकाश रोशन हो जाता है। इन द स्काई के अनुसार, नई दिल्ली में मीटियोर शावर गुरुवार को शाम 6.53 बजे के आसपास दिखाई देना शुरू हो गया , जब इसके रेडिएंट पॉइंट पूर्वी क्षितिज से ऊपर उठें। अगले दिन सुबह लगभग 6.36 बजे तक ये शावर दिखाई दे सकता है।

जेमिनिड मीटियोर शावर क्या होता है

जेमिनी कॉन्स्टिलेशन को पहचानने का सबसे आसान तरीका है ओरियन की बेल्ट का पता लगाना, फिर उस लाइन को फॉलो करना जो रिगेल (ओरियन का दाहिना पैर और सबसे चमकीला सितारा) से ऊपर की तरफ बेटेलगेस (ओरियन के बाएं कंधे) की ओर जाती है। यहां आपको कैस्टर और पोलक्स दिखेंगे। इससे कॉन्स्टिलेशन की पहचान हो जाएगी। जेमिनिड मीटियोर शावर तब होता जब पृथ्वी एस्टोरॉयड '3200 फेथॉन' के मलबे (डेब्री) से होकर गुजरती है। '3200 फेथॉन' को 'रॉक कॉमेट' भी कहा जाता है। फेथॉन के धूल के कण लगभग 34 किमी प्रति सेकेंड की गति से पृथ्वी के वायुमंडल से टकराकर आकाश में चमक पैदा करते हैं। इसे आम भाषा में टूटता तारा या शूटिंग स्टार भी कहा जाता है।

बेहतर एक्सपीरियंस के लिए टिप्स

- बेस्ट विजिबिलिटी के लिए लाइट और प्रदूषण से दूर एक अंधेरी जगह चुनें।
- जेमिनी कॉन्स्टिलेशन में रेडिएंट का पता लगाएं। ये ओरियन बेल्ट के करीब होता है।

जापान में फंड घोटाले में 3 मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

टोक्यो। जापान में राजनीतिक फंड घोटाले को लेकर सत्तारुढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के तीन मंत्रियों ने गुरुवार को अपने इस्तीफे दे दिए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने कहा कि अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री यासुतोशी निशिमुरा, आंतरिक मामलों और संचार मंत्री जुनजी सुजुकी और कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन मंत्री इचिरो मियाशिता ने आज अपने इस्तीफे सौंप दिए। एलडीपी पार्टी हाल ही में आरोपों के बीच भारी जांच के दायरे में रही है कि उसका सबसे बड़ा गुट राजनीतिक फंडिंग रिपोर्ट में धन उगाहने वाले आयोजनों के राजस्व में करोड़ों येन की घोषणा करने में विफल रहा। इस गुट के कई प्रमुख कैबिनेट और एलडीपी नेताओं, सेइवा नीति अध्ययन समूह, जिसका नेतृत्व पहले दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने किया था, के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं।

15 मिनट में 2 हादसे, 17 गाड़ियां खाक, 16 की मौत

नई दिल्ली। वेनेजुएला की राजधानी कराकास के पास एक हाईवे पर बुधवार शाम 17 गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। गुरुवार सुबह यहां गाड़ियों में फंसे शवों को निकालने का सिलसिला शुरू हुआ। अब तक 16 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। भीषण हादसे से 15 मिनट पहले हाईवे पर एक छोटा एक्सीडेंट हुआ था, जिसकी वजह से यहां जाम लग गया था। 15 मिनट बाद एक तेज रफ्तार ट्रक ने आकर वहां खड़ी गाड़ियों को टक्कर मार दी। ट्रक में केमिकल रखा हुआ था। टक्कर की वजह से आग लग गई, जो कई गाड़ियों तक फैल गई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में इस तस्वीर में एक बस दिखी। हालांकि इस बस में कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी नहीं है। मौसम खराब होने की वजह से हादसा होने की आशंका है। वेनेजुएला के रिस्क मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के डिप्टी मिनिस्टर ने कहा- पहले हादसे में एक ट्रक और 3 गाड़ियों की टक्कर हुई थी।

निकायों की स्थिति सुधारने सीएमने की पीएस से चर्चा

फिर मिल सकती है 30 फीसदी कंपाउंडिंग की राहत

टीडीआर, टीओडी लागू करने पर भी हुई बात

भोपाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभालते ही डॉ. मोहन यादव ने नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति सुधारने की कोशिश शुरू कर दी है। इस सिलसिले में उन्होंने नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई से वन टू वन चर्चा की। पीएस ने उन्हें अनुमति के अतिरिक्त 30 फीसदी तक किए निर्माणों को वैध करने की पूर्व में दी गई राहत के बारे में बताया। कहा कि इससे दोहरा फायदा होगा। कंपाउंडिंग (नियमितीकरण) से पैसा मिलेगा। इसके साथ नियमित किए निर्माण पर संपत्ति कर भी हर साल निकायों को मिलेगा। बताया जा रहा है मुख्यमंत्री भी इससे सहमत नजर आए। ऐसे में 30 प्रतिशत तक कंपाउंडिंग की व्यवस्था फिर शुरू होने की संभावना है।

दरअसल, राज्य शासन ने दो साल पहले मकानों, भवनों में अवैध निर्माण को वैध करने की सीमा 10 प्रतिशत से बढ़ा कर 30 फीसदी कर दी थी। इसका बड़ी संख्या में लोगों ने फायदा उठाया और निकायों को भी अच्छा राजस्व मिला। फिर अचानक पिछले साल 30 प्रतिशत अवैध निर्माण की नियमितीकरण की प्रक्रिया को दो हिस्सों में बांट दिया। इसके मुताबिक दस प्रतिशत अतिरिक्त निर्माण पैसे देकर और बाकी 20 फीसदी ट्रासफरेबल डेवलपमेंट राइट के जरिए नियमित किया जाना है। हालांकि, टीडीआर नियम स्पष्ट न होने की वजह से कंपाउंडिंग की प्रक्रिया लगभग थम सी गई। प्रमुख सचिव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी कि टीडीआर नियमों का उपयोग इंफ्रास्ट्रक्चर के अन्य प्रोजेक्ट्स में भी किया जा सकता है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने पूछा, आय बढ़ाने और क्या अधिकार दे सकते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निकाय की आय बढ़ाने के विकल्पों पर प्रमुख सचिव से बात की। उन्होंने कहा कि सरकार हरसंभव मदद करेगी। इसके अलावा निकाय अपने संसाधनों से किस तरह रेवेन्यू बढ़ा सकते हैं, इसको लेकर भी विचार विमर्श किया। सीएम ने प्रमुख सचिव से पूछा कि आय बढ़ाने के लिए निकायों को और क्या अधिकार दिए जा सकते हैं। साथ ही पीएस को निकायों को आत्मनिर्भर बनाने का विस्तृत प्रेजेंटेशन तैयार करने के लिए कहा।

मेट्रो रूट के आसपास टीओडी पर अमल कराएं

भोपाल और इंदौर में मेट्रो रूट के दोनों ओर 500 मीटर का ट्रांजिट ओरियंटेड डेवलपमेंट एरिया विकसित करना प्रस्तावित है। इस क्षेत्र में मिक्स लैंड यूज के निर्माण हो सकेंगे यानी आवासीय व व्यवसायिक प्रॉपर्टी साथ होंगी। प्रमुख सचिव ने चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री को इन नियमों के बारे में बताया। इस पर सीएम ने टीओडी पॉलिसी का जल्द क्रियान्वयन कराने के लिए कहा। उन्हें फ्लोर एरिया रेशो की बिक्री से निकायों को रेवेन्यू मिलने के विकल्प की जानकारी भी दी गई। यहां ध्यान देने लायक बात है कि भोपाल मास्टर प्लान 2031 के संशोधित ड्राफ्ट में मेट्रो रूट के दोनों ओर 100 मीटर एरिया टीओडी के तहत करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके पीछे शासन की ओर से वजह बताई गई है कि 500 मीटर के प्रावधान से 2398.19 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बड़े स्तर पर सघन निर्माण के साथ वाणिज्यिक गतिविधियों संचालित होगी। इससे वर्तमान शहरी अधोसंरचना जैसे सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी आदि पर दबाव पड़ेगा। वैसे भी मेट्रो रेल का प्रभाव क्षेत्र इतना बड़ा नही होता है।

सीएम कानून व्यवस्था की आज करेंगे समीक्षा

भोपाल-इंदौर की आयुक्त प्रणाली पर होगा खास फोकस

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 दिसंबर को मध्यप्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। भोपाल और इंदौर में लागू की गई पुलिस आयुक्त प्रणाली पर उनका खास फोकस होगा। नवागत मुख्यमंत्री प्रदेश के दोनों शहरों की कानून व्यवस्था से नाखुश हैं। वे प्रदेश के दो अन्य शहरों में लागू होने वाली पुलिस आयुक्त प्रणाली के बारे में भी पुलिस विभाग के आला अफसरों से चर्चा करेंगे।

प्रदेश के दो नए शहरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करना भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र में शामिल है। सीएम शाम को चार बजे पीएचक्यू पहुंचेंगे। सीएम बनने के बाद उनका यह पहला पीएचक्यू दौरा होगा। वे प्रदेश में होने वाले अपराधों की रोकथाम पर चर्चा करेंगे। महिला संबंधी अपराध और साइबर अपराधों पर उनका फोकस होगा। पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होने के बावजूद भोपाल और इंदौर में अपराधों में कमी नहीं आई है। माना यह जा रहा था कि सारी शक्तियां पुलिस को मिलने से अपराधों में अंकुश लगेगा। लाउड स्पीकर और अपराधियों पर अंकुश लगाने पर भी सीएम चर्चा करेंगे। इस मौके पर डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना और एडीजी इंटेलीजेंस आदर्श कटियार सहित तमाम आला अफसर मौजूद रहेंगे।

बीजेपी की जीत का एकमात्र कारण हैं नरेंद्र मोदी: शाह

गृह मंत्री बोले– मोदी का फिलहाल दुनिया में कोई सानी नहीं है

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में जीत की गारंटी टॉपिक पर बात करते हुए अमित शाह ने कहा कि शायद ही किसी नेता में ये तीन खूबियां देखने को मिलें, जो युगदृष्टा हो, बहुत परिश्रमी हो और सार्वजनिक सुचिता को ऊंचाइयों पर ले जा सके। इसके बाद अमित शाह ने कहा कि बीजेपी की जीत का एकमात्र कारण हैं नरेंद्र मोदी, नरेंद्र मोदी और नरेंद्र मोदी। शाह ने कार्यक्रम में दावा किया कि विधानसभा चुनाव में जीत के पहले से फाइनल (2024) जीतने का रास्ता आसान था। वह बोले कि मोदी तीसरी बार देश के पीएम बनेंगे। छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों पर शाह बोले कि कांग्रेस कभी नहीं समझ पाएगी कि वो क्यों हार गए। शाह बोले कि मोदी ने दस साल में 13 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम किया है। वहीं 60 करोड़ लोगों को मोदी ने बेसिक सुविधाएं दी हैं। चाहे वह घर देना हो, शौचालय देना हो, गैस सिलेंडर, बिजली, मुफ्त अनाज, बैंक अकाउंट, ऑनलाइन फंड ट्रांसफर हो।

दिग्गजों को नजरअंदाज, नए चेहरों को सीएम : शाह के कहा कि इन योजनाओं का लाभ पाने वाले ज्यादातर लोग इन तीन राज्यों (राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश) के हैं। क्योंकि इन तीनों राज्यों को बीमारू राज्य माना जाता था। आज वहां विकास हुआ है. शाह ने कहा कि लाभार्थियों की ये नई फौज हमारी जीत का बड़ा कारण है। बीजेपी सिर्फ एक जाति गरीब की बात करती है लेकिन सीएम चुनते हुए बीजेपी राजस्थान में ब्राह्मण, छत्तीसगढ़ में दलित, मध्य प्रदेश में ओबीसी को मौका देती है।

असम में 1200 मदरसों का बदला नाम

गुवाहाटी। हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार के पहले के फैसले के अनुसरण में, असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने घोषणा की है कि राज्य में 1,281 मदरसों का नाम बदलकर एमई (मध्य अंग्रेजी) स्कूल कर दिया गया है। पेगु ने कहा कि यह प्रक्रिया असम की शिक्षा प्रणाली के भीतर एकरूपता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए क्रियान्वित की गई है। पेगु ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कि एसईबीए (असम के स्कूल शिक्षा बोर्ड) के तहत सभी सरकारी और प्रांतीय मदरसों को सामान्य स्कूलों में परिवर्तित करने के परिणामस्वरूप, एसईबीए ने गुरुवार को एक अधिसूचना द्वारा 1,281 मदरसों के नाम को एमई स्कूलों में बदल दिया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा पहले राज्य में सभी मदरसों को बंद करने का इरादा व्यक्त करने के बाद आया है।

श्रीनगर में मौसम की सबसे सर्द रात

कश्मीर में कड़ाके की ठंड

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में लगातार ठंड बढ़ रही है। जहां कश्मीर के हाड़ कंपाने वाली ठंड जारी है, वहीं श्रीनगर में इस मौसम की सबसे सर्द रात दर्ज की गयी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग केन्द्र श्रीनगर ने कहा कि दक्षिण कश्मीर में शोपियां जिला में सबसे ज्यादा ठंड रिकॉर्ड की गयी है, जहां पिछली रात न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तापमान में आई भारी गिरावट के कारण श्रीनगर के डल झील के आंतरिक हिस्से और अन्य निकाय तथा

पानी के पाइप में पानी जम गया है। दक्षिण कश्मीर के सबसे प्रिय पर्यटक स्थल पहलगाम में पिछली रात के -5.3 डिग्री के मुकाबले आज न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम है।

वैष्णो देवी के बाद शिरडी पहुंचे शाहरुख खान

नई दिल्ली। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान शिरडी साईं बाबा के दर्शन करने जा पहुंचे हैं. एक्टर के साथ इस दौरान उनकी लाडली बेटा सुहाना खान भी थीं। कुछ ही दिनों में शाहरुख की फिल्म डंकी रिलीज होने वाली है, एक्टर मन्नत मांगने बाबा के दर जा पहुंचे। पहले वैष्णो देवी अब शिरडी...शाहरुख खान भगवान के दर जाते दिख रहे हैं। एक्टर आशीर्वाद पाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। शिरडी साईं बाबा का धाम है। शाहरुख का वीडियो सामने आया जहां कड़ी सिक्योरिटी के बीच एक्टर मंदिर परिसर में पहुंचे।

यूएस सुरक्षा विभाग ने की गाजा संघर्ष से निपटने के तरीकों की निंदा की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग के सौ से अधिक कर्मियों ने गृह मंत्री एलेजांद्रो मयोरकास को एक खुले पत्र में गाजा पट्टी में संघर्ष से निपटने के विभाग के तौर-तरीकों की निंदा की है। अल जजीरा ने पत्र का हवाला देते हुए गुरुवार को यह जानकारी दी। पत्र में सौ कर्मियों के हस्ताक्षर हैं। इससे पूर्व 22 नवंबर को लिखे पत्र में डीएचएस और अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा, संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी, आव्रजन तथा सीमा शुल्क प्रवर्तन एवं नागरिकता एवं आव्रजन सेवाएं शामिल 139 स्टाफ कर्मियों ने निराशा व्यक्त की।

हमास नेता गाजा युद्धविराम के लिए इजराइल के साथ वार्ता को तैयार

हमास नेता इस्माइल हानियेह ने कहा है कि गाजा पर शासन करने वाला फिलिस्तीनी गुट इजराइल के साथ किसी भी व्यवस्था या पहल पर वार्ता करने के लिए तैयार है ताकि युद्धविराम हो सके। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हनीयेह ने हमास से संबद्ध अल-अक्सा टीवी पर प्रसारित भाषण में कहा कि हम किसी भी व्यवस्था या पहल पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जिससे इजराइल के हमले रुक सके। वहीं इजराइल सेना ने बताया कि गाजा हास्पिटल से 70 सैनिकों को गिरफ्तार किया।

ऑस्ट्रेलिया में 20 साल बाद महिला दोषमुक्त

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में न्यू साउथ वेल्स की सुप्रीम कोर्ट ने चार बच्चों की हत्या के आरोप में 20 साल से जेल में बंद महिला को गुरुवार को दोषमुक्त कर दिया। न्यायालय ने कैथलीन फोल्बिग (50) के पक्ष में फैसला सुनाया गया। न्यायालय के अनुसार महिला के खिलाफ अभियोजक पुख्ता सबूत प्रस्तुत करने में विफल रहे इसलिए महिला को निर्दोष ठहराते हुए रिहा कर दिया गया। सुश्री फोल्बिग ने कहा कि उनकी बेगुनाही के सबूत को दशकों से अनदेखा और खारिज किया गया है।

आज का इतिहास

- 1749: छत्रपति शिवाजी के पोते शाहू की मौत हुई।
- 1803: ईस्ट इंडिया कंपनी ने उड़ीसा (अब ओडिशा) पर कब्ज़ा किया।
- 1911: बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी सोसाइटी की स्थापना हुई।
- 1916: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वेरदून में हुई लड़ाई में फ्रांस ने जर्मनी को हराया।
- 1917: मोलदावियन गणराज्य ने रूस से स्वतंत्र होने की घोषणा की।
- 1950: स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी एवं स्वतन्त्र भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का निधन।
- 1953: भारत की एस विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा के आठवें सत्र की प्रथम महिला अध्यक्ष चुनी गई।
- 1965: बांग्लादेश में गंगा के तट पर आये चक्रवात में 15,000 लोगों की मौत हुई।
- 1970: पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी का जन्म।

Filmi तड़का

शाहरुख खान की 'डंकी' ने रिलीज से पहले ही कमा लिए करोड़ों, जवान-पठान को पछाड़ देगी

मुंबई। शाहरुख खान की अपकमिंग और इस साल की तीसरी फिल्म 'डंकी' 21 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है। रिलीज से पहले फिल्म की विदेश में एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। एडवांस बुकिंग में फिल्म काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है। फिल्म ने गुरुवार को 3,00,000 अमेरिकी डॉलर यानी 2 करोड़ से 50 लाख से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। रिपोर्ट की मानें तो विदेश में 'डंकी' की एडवांस बुकिंग शुरू हुए 7 दिन हुए हैं। फिल्म ने गुरुवार के शुरुआती दिन में 2 करोड़ से 50 लाख से ज्यादा की कमाई की है। कहा जा रहा है कि इस हफ्ते के अंत तक फिल्म 5,00,000 अमेरिकी डॉलर यानी 4 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लेगी। रिपोर्ट के मुताबिक इसी के साथ 'डंकी' रिलीज से पहले प्रीसेल्स में बॉलीवुड के लिए साल की तीसरी सबसे बेहतरीन फिल्म बन गई है।

कनाडा में मिला अच्छा रिस्पॉन्स

फिल्म 'डंकी' से पहले शाहरुख खान की 'जवान' और 'पठान' जैसी फिल्मों ने भी एडवांस बुकिंग में अच्छा कलेक्शन किया था। विदेश में एडवांस बुकिंग के मामले में फिल्म की सबसे ज्यादा कमाई अमेरिका में हुई है। बुधवार को ही 'डंकी' ने 1 करोड़ के करीब कलेक्शन किया था। हालांकि सबसे अच्छा रिस्पॉन्स ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में मिला है।

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग शुरू

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म'वेलकम टू द जंगल'की शूटिंग शुरू हो गयी है। अक्षय कुमार स्टारर फिल्म'वेलकम टू द जंगल'की रिलीज से पहले हाल ही में मेकर्स को लेकर काफी विवाद भी हुआ है, जिसके चलते'वेलकम टू द जंगल'की शूटिंग बीच में ही रोक दी गई थी लेकिन अब इस फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू हो गई है। अक्षय कुमार ने इसका एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म की अन्य स्टार कास्ट भी नजर आ रही है। अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षय कुमार के साथ लारा दत्ता, अरसद वारसी, दिशा पाटनी और फिल्म के अन्य कलाकार भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में लारा शूटिंग के दौरान अक्षय और अरसद पर कोड़े बरसाती हुई नजर आ रही हैं।

आसियान-भारत श्रीअन्न महोत्सव का केंद्रीय कृषि मंत्री मुंडा ने किया शुभारंभ

किसानों, उपभोक्ताओं, पर्यावरण के लिए श्रीअन्न से असंख्य लाभ: कृषि मंत्री मुंडा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने आसियान-भारत श्री अन्न महोत्सव का गुरुवार को नई दिल्ली में शुभारंभ किया। समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी व शोभा करंदलाजे व सचिव मनोज अहूजा भी मौजूद थे। अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के अनुरूप, महोत्सव का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और श्री अन्न एवं श्री अन्न आधारित उत्पादों के लिए वृहद बाजार स्थापित करना है।

उन्होंने कहा कि श्रीअन्न किसानों, उपभोक्ताओं व पर्यावरण हेतु असंख्य लाभ प्रदान करते हैं एवं वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। महोत्सव में शरीक भारत, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, थाईलैंड व वियतनाम से आए प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री मुंडा ने श्री अन्न के उत्पादन व खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नीतियों व बाजार नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए इसकी बढ़ी खपत से जुड़े सामाजिक-आर्थिक, पोषण और जलवायु संबंधी लाभों पर प्रकाश डाला। श्री मुंडा ने कहा कि यह कार्यक्रम श्री अन्न की जीवंतता और कृषि एवं पोषण को बदलने में उनकी अपार क्षमता को प्रतिबिम्बित करता है।

खबर संक्षेप

क्रेडो ब्रांड्स ने आईपीओ का मूल्य दायरा किया तय

नई दिल्ली। क्रेडो ब्रांड्स मार्केटिंग लिमिटेड ने 550 करोड़ रुपये के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 266-280 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के पास डेनिम ब्रांड मुफ्ती का स्वामित्व है। क्रेडो ब्रांड्स मार्केटिंग लिमिटेड के अनुसार, आईपीओ 19 दिसंबर को खुलेगा और 21 दिसंबर को बंद होगा।

अदाणी ग्रीन की दो अनुषंगी कंपनियों के विलय की घोषणा

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने दो 'स्टेप-डाउन' अनुषंगी कंपनियों अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी वन लिमिटेड और अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी फाइव लिमिटेड के विलय की बृहस्पतिवार को घोषणा की। 'स्टेप-डाउन' अनुषंगी कंपनी से तात्पर्य प्रत्यक्ष अनुषंगी की अनुषंगी कंपनियों से है।

वोल्वो जनवरी में दो फीसदी तक की करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। वोल्वो कार इंडिया एक जनवरी 2024 से कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। वाहन निर्माता की ओर से जारी बयान के अनुसार, कीमतें बढ़ाने का निर्णय कच्चे माल की बढ़ती लागत और अस्थिर विदेशी मुद्रा दरों के कारण किया गया है। वोल्वो कार इंडिया की एमडी ज्योति मल्होत्रा ने कहा, 'कीमत बढ़ोतरी का निर्णय बाजार की बदलती गतिशीलता, विदेशी मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण लिया गया है।'

आजाद इंजीनियरिंग को आईपीओ लाने की मंजूरी

नई दिल्ली। आजाद इंजीनियरिंग लिमिटेड को 740 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। हैदराबाद स्थित कंपनी ने आईपीओ लाने के लिए सितंबर में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए थे। उसे पांच दिसंबर को सेबी से अवलोकन पत्र मिल गया।

ज्यूपिटर वैगन्स को 1,617 करोड़ रुपए का मिला ठेका

नई दिल्ली। ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि उसे रेल मंत्रालय से 1,617 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। यह ठेका 4,000 वैगन की आपूर्ति का है। ज्यूपिटर वैगन्स ने शेयर बाजार को बताया, 'रेल मंत्रालय ने कंपनी को 1,617 करोड़ रुपये के अनुबंध मूल्य पर 4,000 बीओएक्सएनएस वैगन के विनिर्माण और आपूर्ति का ठेका दिया है।'

हैप्पी फोर्जिंग्स 19 दिसंबर को लाएगी आईपीओ

नई दिल्ली। मोटर वाहन घटक बनाने वाली कंपनी हैप्पी फोर्जिंग्स लिमिटेड ने 1,008 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 808 से 850 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 19 दिसंबर को खुलेगा और 21 दिसंबर को बंद होगा।

मारुति 800 के 40 साल : जिसने बदली देश के वाहन क्षेत्र की तस्वीर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली में मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के मुख्यालय के ब्रांड सेंटर में खड़े कई आधुनिक वाहनों के बीच 40 साल पुरानी एक छोटी सफेद कार की मोटर वाहन जगत में अपनी ही चमक है। यह कोई साधारण कार नहीं बल्कि लोकप्रिय 'मारुति 800' या एम800 मॉडल की पहली इकाई है। 'मारुति 800' को 14 दिसंबर, 1983 को जब पेश किया गया भारत तब भी लाइसेंस राज के अधीन था। एम800, 1991 में आर्थिक उदारीकरण का गवाह भी बनी। यह भारत के पुराने से नए दौर में प्रवेश तक के सफर की साक्षी रही। मारुति 800 को 'आम जन की कार' कहा जाता है।

'मारुति 800' को 14 दिसंबर, 1983 को पेश किया गया था

घरेलू बाजार में बिकी 26.8 लाख इकाइयां

घरेलू बाजार में इस मॉडल की कुल 26.8 लाख इकाइयां बिकीं और 2.4 लाख इकाइयों का निर्यात हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने एक बार कहा था कि जब मौजूदा कार निर्माताओं हिंदुस्तान मोटर्स और प्रीमियर को प्रौद्योगिकी आयात करने की भी अनुमति नहीं थी।

उत्पादन में हुई लगातार बढ़ोतरी

1992-93 में इसका संचयी उत्पादन रिकॉर्ड पांच लाख इकाई रहा। इसके बाद 1996-97 तक यह दोगुना होकर 10 लाख इकाई हो गया और 1999-2000 में 15 लाख इकाई का आंकड़ा पार कर गया। यह छोटी कार लगातार बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करती गई और एम800 का उत्पादन 2002-03 में 20 लाख इकाई और 2005-06 में 25 लाख इकाई के आंकड़े को पार कर गया। कंपनी ने 18 जनवरी, 2014 से एम800 का उत्पादन पूरी तरह से बंद कर दिया। तब एम800 का संचयी उत्पादन 29.2 लाख इकाई था। इससे पहले एमएसआई ने अप्रैल, 2010 से हैदराबाद, बेंगलुरु, कानपुर और पुणे सहित 13 शहरों में मारुति 800 की बिक्री बंद कर दी थी।

भारत के सुस्त बाजार में मचाई हलचल

इसने हिंदुस्तान मोटर की एंबैस्डर कार और प्रीमियर पद्मिनी के एकाधिकार को चुनौती देते हुए उस समय भारत के सुस्त पड़े यात्री वाहन बाजार में हलचल मचा दी थी। पेश किए जाने के कुछ ही समय में यह लाखों मध्यमवर्गीय भारतीय परिवारों की पहली पसंद बन गई।

सुजुकी रही बेहतर प्रौद्योगिकी से लैस

हरपाल सिंह को 1983 इसकी पहली इकाई की चाबियां सौंपे जाने के बाद से एम800 के 1986-87 में संचयी रूप से एक लाख इकाइयों का उत्पादन किया। हरपाल सिंह ने 1983 में एक लकी ड्रॉ में इसे जीता था। उस समय बाजार में उपलब्ध अन्य उत्पादों की तुलना में सुजुकी कहीं बेहतर प्रौद्योगिकियों से लैस थी।

रिजर्व बैंक की आशंका सही साबित हो रही

खाद्य वस्तुओं के महंगे होने से थोक महंगाई दर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सात महीने तक शून्य से नीचे रहने वाली थोक महंगाई या डब्ल्यूपीआई इंफ्लेशन (डब्ल्यूपीआई) की दर में अब बढ़ोतरी होनी शुरू हो गई दिखती है। बीते नवंबर महीने के दौरान देश में थोक महंगाई की दर में 0.26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बढ़ोतरी की वजह खाने-पीने के सामनों में बढ़ोतरी होना है। इसमें लहसून और प्याज की कीमत भी शामिल है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से मिली जानकारी के अनुसार बीते नवंबर महीने में थोक महंगाई की दर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। हाल के सात महीने तक यह शून्य से नीचे ही बनी रही थी। अक्टूबर महीने में भी यह शून्य से 0.52 फीसदी नीचे थी। इससे पहले इसी साल मार्च में डब्ल्यूपीआई इंफ्लेशन की दर 1.41 फीसदी थी।

- बीते नवंबर महीने के दौरान थोक मूल्य की महंगाई की दर बढ़ गई है

- यह बीते आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है
- थोक महंगाई की दर में 0.26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई

सब्जियों की मुद्रास्फीति 10.44 फीसदी रही

प्याज में मूल्यवृद्धि की वार्षिक दर नवंबर में बढ़कर 101.24 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 62.60 प्रतिशत थी। घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और खुदरा बाजार में कीमतों पर अंकुश के लिए सरकार ने पिछले सप्ताह अगले साल मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। सब्जियों की मुद्रास्फीति 10.44 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर में शून्य से नीचे 21.04 प्रतिशत थी।

कौन से सामान हुए महंगे

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार बीते नवंबर महीने के दौरान मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं, खनिजों, मशीनरी व उपकरण, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक व ऑप्टिकल उत्पादों, मोटर वाहनों, अन्य परिवहन उपकरणों और अन्य विनिर्माण वस्तुओं आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण सकारात्मक दायरे में रही। उल्लेखनीय है कि खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति नवंबर में 8.18 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर में 2.53 प्रतिशत थी।

धान और फलों में भी तेजी रही

धान और फलों में नवंबर में मुद्रास्फीति क्रमशः 10.44 प्रतिशत और 8.37 प्रतिशत रही। आलू की मूल्यवृद्धि दर शून्य से 27.22 प्रतिशत नीचे रही। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति नवंबर में शून्य से 0.64, ईंधन व बिजली की मुद्रास्फीति शून्य से 4.61 प्रतिशत नीचे और गैर-खाद्य वस्तुएं की शून्य से 3.20 प्रतिशत नीचे रही। बार्कलेज रिसर्च के अनुसार, थोक खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी खुदरा कीमतों की तुलना में अधिक रहीं।

खुदरा महंगाई की दर भी बढ़ी

इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी के कारण खुदरा या उपभोक्ता मूल्य आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर तीन महीने के उच्चस्तर 5.55 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

रिजर्व बैंक ने भी दिया था संकेत

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति की समीक्षा में ब्याज दरों को स्थिर रखा था। इसके साथ ही नवंबर और दिसंबर महीने के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति के बढ़ने के संकेत दिए थे।

सोना 1,130 रुपए उछला, चांदी ने लगाई 2,350 रुपए की छलांग

मजबूती से सोना 62,950 रुपए प्रति 10 ग्राम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 1,130 रुपये उछलकर 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोने की कीमत 61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत भी 2,350 रुपये की छलांग के साथ 77,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर जा पहुंची। पिछले कारोबार में यह 75,050 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बाद बृहस्पतिवार को दिल्ली के बाजारों में सोने की कीमतें 1,130 रुपये बढ़कर 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। एमसीएक्स के वायदा कारोबार में सोने के फरवरी अनुबंध का भाव 1,381 रुपये बढ़कर 62,580 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी के मार्च अनुबंध का भाव 3,393 रुपये उछलकर 74,925 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में सोना बढ़कर 2,032 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी उछाल के साथ 24 डॉलर प्रति औंस हो गई। कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,032 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 51 डॉलर की मजबूती को दर्शाता है।

- चांदी बढ़कर हुई 77,400 रुपए प्रति किलो ग्राम

अमेरिकी बांड में गिरावट से सोने में तेजी

गांधी ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा यह संकेत दिए जाने के बाद कि उसका आक्रामक मौद्रिक रुख का अभियान समाप्त हो गया है, कॉमेक्स सोना 2.5 प्रतिशत तक उछल गया। उन्होंने कहा, इसके अलावा, अमेरिकी बांड प्रतिफल और डॉलर इंडेक्स में गिरावट से भी सोने की कीमतों में तेजी आई।

राष्ट्रीय बीमा अकादमी ने दी जानकारी

देश की 95 प्रतिशत आबादी के पास बीमा नहीं : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सरकार और बीमा नियामक के प्रयासों के बावजूद देश की लगभग 95 प्रतिशत आबादी का बीमा नहीं है। राष्ट्रीय बीमा अकादमी ने बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के चेयरमैन देवाशीष पांडा ने यह रिपोर्ट जारी की। इस मौके पर उन्होंने उद्योग से उन कदमों का अनुकरण करने का आग्रह किया, जिनकी मदद से यूपीआई, बैंक खाते खोलने और साथ ही मोबाइल पहुंच बढ़ाने में भारी सफलता मिली। पांडा ने कहा कि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में एक अनिवार्य प्राकृतिक आपदा बीमा की जरूरत है और इस रिपोर्ट में इसकी सिफारिश भी की गई है।

- जोखिम वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा बीमा की जरूरत

सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश की 144 करोड़ आबादी में 95 प्रतिशत आबादी बीमा के दायरे में नहीं है। देश में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं और अन्य जलवायु संबंधी आपदाओं की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर बीमा प्रसार को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निम्न और मध्यम आय वर्ग के 84 प्रतिशत लोगों और तटीय क्षेत्रों, दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों के 77 प्रतिशत लोगों के पास बीमा का अभाव है।

73 फीसदी आबादी स्वास्थ्य बीमा के दायरे में नही

रिपोर्ट के मुताबिक, 73 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य बीमा के दायरे में नहीं है और इस दिशा में सरकार, गैर सरकारी संगठनों और उद्योग समूहों के बीच सहयोग बढ़ने की जरूरत है।

किआ इंडिया अगले साल देश में बढ़ाएगी उत्पादन

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता किआ बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के लिए एक आक्रामक कारोबारी योजना के तहत अगले साल भारत में उत्पादन, बिक्री नेटवर्क और अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने वैश्विक स्तर पर अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी सोनेट के नवीनतम संस्करण को बृहस्पतिवार को पेश किया। किआ घरेलू बाजार में मांग को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए देश से निर्यात में कटौती करने की भी योजना बना रही है। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ताए-जिन पार्क ने बातचीत में कहा, 'हमारे पास अगले वर्ष के लिए एक आक्रामक कारोबारी योजना है।

ऑडी, का मुंबई में 'अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन' शुरू

मुंबई। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी ने यहां बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में चार्जज़ोन के सहयोग से एक अत्यधिक तेज चार्जिंग स्टेशन का बृहस्पतिवार को उद्घाटन किया। ऑडी इंडिया ने दावा किया है कि यह देश का पहला 'अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन' है। इसकी कुल क्षमता 450 किलोवाट है, जो एक इलेक्ट्रिक वाहन को 360 किलोवाट बिजली प्रदान करता है। कंपनी के अनुसार, यह चार्जर 114 केडब्ल्यूएच बैटरी वाली ऑडी क्यू8 55 ई-ट्रॉन को सिर्फ 26 मिनट में 20 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, 'ऑडी इंडिया द्वारा भारत का पहले अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन का शुरू करना, ग्राहकों के लिए एक व्यापक इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के हमारे प्रयासों में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।'

कृषि से लेकर कंस्ट्रक्शन कार्यों के लिए आन्द्रया इंटरप्राइजेस से खरीदें ट्रैक्टर अटैचमेंटस

रायपुर। बुल मशीन प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा अधिकृत विक्रेता आन्द्रया इंटरप्राइजेस देवपुरी में बहुउद्देशीय उपयोग के लिए ट्रैक्टर अटैचमेंटस उपलब्ध है। यहां एग्री सीरीज के एग्री लोडर और नॉन एग्री लोडर उपलब्ध है। जिसके द्वारा कृषि से लेकर कंस्ट्रक्शन का काम किया जा सकता हैं। आन्द्रया इंटरप्राइजेस के संचालक अनुराग सेन ने बताया कि आज बुल मशीन प्राइवेट लिमिटेड के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर मुकेश कुमार का रायपुर आगमन हुआ है जिनका हमारी टीम ने भव्य स्वागत किया और उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया।

चौतरफा तेजी से सेंसेक्स, निफ्टी नए शिखर पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को चौतरफा तेजी से लगातार दूसरे दिन मजबूती आई और बीएसई सेंसेक्स 929 अंक से अधिक उछलकर नये रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी अबतक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर को यथावत रखने और अगले साल इसमें कटौती किये जाने के संकेत के बाद मुख्य रूप से आईटी, प्रौद्योगिकी और रियल्टी कंपनियों के शेयरों में तेज लिवाली से बाजार में उछाल आया। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार लिवाली और कच्चे तेल के दाम में नरमी से भी बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 929.60 अंक यानी 1.34 प्रतिशत उछलकर अबतक के उच्चतम स्तर 70,514.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,018.29 अंक तक चढ़ गया था।

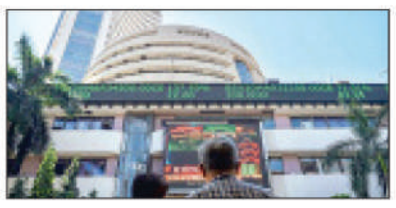

कंपनी ने पांच साल में 9.63 लाख करोड़ रुपए जोड़े

रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार पांचवीं बार सबसे बड़ी वेल्थ क्रिएटर बनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) पांच साल (2018-2023) की अवधि में लगातार पांचवीं बार अपने निवेशकों के लिए सबसे बड़ी वेल्थ क्रिएटर कंपनी के रूप में उभरी है। मुंबई बेस्ड ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने 14 दिसंबर को जारी अपनी 28वीं एनुअल वेल्थ क्रिएशन स्टडी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है। मोतीलाल ओ बताया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 2018 से 2023 की अवधि (31 मार्च 2023 तक) में 9.63 लाख करोड़ रुपए जोड़े हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक, लिस्ट में टॉप 100 कंपनियों द्वारा बनाई गई टोटल वेल्थ में रिलायंस का योगदान 13.7 प्रतिशथ है।

- टॉप 100 कंपनियों की टोटल वेल्थ में रिलायंस का योगदान 13.7 प्रतिशत

अपने निवेशकों को दिया 123% रिटर्न

रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस ग्रुप ने पिछले 17 सालों में सालाना जारी होने वाली सबसे बड़ी वेल्थ क्रिएटर कंपनियों की लिस्ट में 10 बार नंबर-1 पोजिशन हासिल की है। हालांकि, आरआईएल के शेयरों में साल 2023 में अब तक 4.5% की गिरावट आई है और पिछले साल इसमें करीब 6% की गिरावट आई थी।

फास्टेस्ट वेल्थ क्रिएटर्स में लॉयड्स मेटल्स टॉप पर रही

2018-2023 की अवधि में बेंचमार्क सेंसेक्स में 95% की तेजी देखने को मिली। वहीं, पांच साल की अवधि में फास्टेस्ट वेल्थ क्रिएटर्स कंपनियों की लिस्ट में लॉयड्स मेटल्स टॉप पर रही, जिसका पांच साल का प्राइस सीएजीआर 79% रहा। सबसे तेजी से वेल्थ बनाने वाली कंपनियों की लिस्ट में अदाणी एंटरप्राइजेज दूसरे नंबर पर रही।

टीसीएस दूसरे नंबर पर

सबसे ज्यादा वेल्थ क्रिएशन के मामले में रिलायंस के अलावा टॉप 5 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और भारती एयरटेल शामिल हैं। इन कंपनियों ने भी अपने निवेशकों को सबसे ज्यादा मुनाफा कराया है।

सूची में पांचवें स्थान पर हिन्दुस्तान यूनिलीवर

इसके बाद वेल्थ क्रिएशन कंपनियों की लिस्ट में अगली पांच कंपनियां हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, अडाणी एंटरप्राइजेज और एचसीएल टेक्नोलॉजीज हैं। यहां वेल्थ क्रिएशन का मतलब पिछले पांच सालों में कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी से है।

ब्रिटेन में नीतिगत दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर व्याप्त चिंताओं के बावजूद नीतिगत ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने बृहस्पतिवार को नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। यह ब्याज दर का 15 साल का उच्चस्तर है और इस स्तर पर यह पिछले अगस्त से ही बनी हुई है। ब्रिटेन में करीब दो साल से ब्याज दर में तेजी रहने से मुद्रास्फीति को चार दशक के उच्चस्तर 11 प्रतिशत से नीचे लाने में मदद मिली है। हालांकि, ब्रिटेन की आर्थिक वृद्धि पर ऊंची ब्याज दरों ने नकारात्मक असर डाला है।

अक्टूबर में 0.3 फीसदी की मासिक गिरावट आई

एक दिन पहले आए आंकड़ों के मुताबिक ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में अक्टूबर के दौरान 0.3 प्रतिशत की मासिक गिरावट आई है। इसने निकट अवधि में वृद्धि परिदृश्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने भी बुधवार को अपनी नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक ने भी रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखने का फैसला किया है।

टेस्ट में भारतीय महिला टीम का धमाका, स्टंप तक सात विकेट पर बनाए 410 रन

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

भारतीय महिला टीम ने बल्ले से आक्रामक प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट के पहले दिन स्टंप तक सात विकेट पर 410 रन का विशाल स्कोर बना लिया। करीब दो साल में पहला टेस्ट और अपनी सरजमीं पर नौ साल में लाल गेंद का अपना पहला मैच खेल रही भारतीय टीम ने डीवाई पाटिल स्टेडियम की बल्लेबाजी के मुफीद पिच पर दमदार खेल दिखाया और प्रति ओवर लगभग पांच रन जोड़े। पर्दापण कर रही चौबीस साल की शुभा सतीश ने शानदार फुटवर्क के साथ गेंदबाजों की लाइन एवं लेंथ को अच्छी तरह पढ़ते हुए 76 गेंद में 13 चौकों से 69 रन की पारी खेली। उन्होंने करीब 91 के स्ट्राइक रेट से रन जुटाए। इस तरह शुभा पदार्पण में अर्धशतक जड़ने वाली भारत की 12वीं बल्लेबाज बन गईं। सोफी एक्लेस्टोन ने उन्हें नैट साइवर ब्रंट के हाथों कैच आउट कराया। डेब्यू में जेमिमा रोड्रिग्स ने भी अपने अनुभव के दम पर 68 रन की पारी के दौरान 11 चौके जमाए।

हरमनप्रीत और यास्तिका का तूफान

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीप शॉट से शुरुआत की और वह अच्छी फॉर्म में दिख रही थीं लेकिन एक रन लेने के प्रयास में डैनी वियाट के थ्रो ने उन्हें रन आउट कर दिया। हरमनप्रीत ने 81 गेंद में छह चौकों की मदद से 49 रन बनाए। पर उन्होंने और यास्तिका भाटिया (66 रन) ने पांचवें विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की जो भारत के लिए इस प्रारूप में दूसरी सबसे बड़ी भागीदारी है। यास्तिका ने भी तेजी से रन जुटाए और वह कभी भी जोखिम लेती हुई नहीं दिखीं। बायें हाथ की विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान 10 चौके और पारी का एकमात्र छक्का भी जड़ा।

शुभा और जेमिमा ने जोड़े 115 रन

शुभा और जेमिमा ने तीसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 115 रन की साझेदारी निभायी। शुभा और जेमिमा के बीच यह भागीदारी तीसरे विकेट के लिए टेस्ट क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी बन गई है। भारतीय टीम कई रिकॉर्ड बनाने के करीब थी लेकिन चूक गई।

दीप्ति का भी अर्धशतक

यास्तिका को अपने दूसरे ही टेस्ट में अर्धशतक से संतोष करना पड़ा। लॉरेन ने दूसरी बार इसी गेंदबाज की गेंद पर उसी जगह उनका कैच लपकने में गलती नहीं की। दीप्ति शर्मा (60 रन) और स्नेह राणा (30 रन) ने मिलकर इंग्लैंड की गेंदबाजों की परेशानी और बढ़ाई। इन दोनों ने सातवें विकेट के लिए 92 रन जोड़े जिससे भारतीय टीम 400 रन के पार पहुंच गई। इंग्लैंड ने 94 ओवर डाले और भाग्य ने भी उनका साथ नहीं दिया क्योंकि उसकी क्षेत्ररक्षकों ने आउट करने के कुछ मौके गंवाए और उनके दोनों डीआरएस भी खराब हो गए।

खबर संक्षेप

बांह पर काली पट्टी बांधकर उतरे ख्वाजा

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को उन जूतों को पहनने की अनुमति नहीं दी गई जिस पर उन्होंने 'सभी जीवन समान हैं' का संदेश लिखा था जिससे वह पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बांह पर का काली पट्टी बांधकर उतरे। आईसीसी ने बुधवार को ख्वाजा को उन जूतों को पहनने की अनुमति नहीं दी जिस पर उन्होंने जाहिर तौर पर गाजा के संदर्भ में कुछ संदेश लिखे थे। आईसीसी के नियम टीम की पोशाक या उपकरणों पर राजनीति या धार्मिक बयान के प्रदर्शन की अनुमति नहीं देते हैं।

बशीर ने मैकुलम को नजरअंदाज किया

लंदन। इंग्लैंड के युवा ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने कुछ दिन पहले न्यूजीलैंड के 'डायलिंग कोड नंबर' से एक 'मिस्ड कॉल' देखी और उन्होंने इसे यह समझते हुए नजरअंदाज किया कि यह किसी ने ऐसे ही कर दिया होगा। छह प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके बशीर ने सपने में भी नहीं सोचा था कि यह नंबर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैकुलम का हो सकता है और इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच उन्हें टीम में चुने जाने की रोमांचक खबर देने के लिए फोन कर रहा था। बशीर ने बताया, 'मैंने नंबर देखकर सोचा, 'ये कौन है'? यह कोई ऐसा ही कोई नंबर हो सकता है।'

'क्रॉनिक किडनी' रोग से पीड़ित हैं कैमरन

पर्थ। आस्ट्रेलिया के आल राउंडर कैमरन ग्रीन ने खुलासा किया कि जब वह पैदा हुए थे तो वह 'इररिवर्सिबल क्रॉनिक किडनी' रोग से पीड़ित थे। आस्ट्रेलिया के इस दुबले पतले हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा कि एक समय उनके 12 साल से ज्यादा जीने की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के कोई लक्षण नहीं होते और इसमें किडनी को ठीक भी नहीं किया जा सकता। ग्रीन ने कहा, 'जब मेरा जन्म हुआ तो मेरे माता पिता को बताया गया कि मुझे 'इररिवर्सिबल क्रॉनिक किडनी' बीमारी है जिसके कोई लक्षण नहीं होते लेकिन अल्ट्रासाउंड के जरिए इसका पता चला।'

भारत की दृष्टिबाधित महिला टीम ने जीती श्रृंखला

मुंबई। सुषमा पटेल की 37 गेंद में 45 रन की पारी की बदौलत भारत ने गुरुवार को चौथे टी20 मुकाबले में नेपाल को यहां सात विकेट से हराकर दृष्टिबाधित महिलाओं की पांच मैच की द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला में 3-1 की विजयी बढ़त बना ली। नेपाल की टीम टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी। मेहमान टीम ने कप्तान बिंता पुन की 69 रन की पारी और मानकेशी चौधरी के साथ उनकी 101 रन की साझेदारी से 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन का स्कोर खड़ा किया।

क्रिकेट : कुलदीप ने अपने 29वें जन्मदिन पर 17 रन देकर झटके पांच विकेट

भारत ने जीत के साथ बराबर की श्रृंखला दक्षिण अफ्रीका को रौंदा, सूर्या का शतक

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

भारत ने गुरुवार को तीसरे और आखिरी टी20 क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 106 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। यह टीम इंडिया की टी-20 में द.अफ्रीका के खिलाफ सबसे बड़ी जीत है। पिछली जीत का रिकॉर्ड 88 रन का था, जो टीम इंडिया ने राजकोट में बनाया था। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई भारतीय टीम ने सात विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम

13.5 ओवर में 95 रन पर आउट हो गई। सूर्यकुमार यादव ने 56 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों की मदद से 100 रन बनाए। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 41 गेंद में 60 रन की पारी खेली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की। अपना 29वां जन्मदिन मना रहे कुलदीप ने 2.5 ओवर में 17 रन देकर पांच विकेट लिए जिसमें 14वें ओवर में लिए गए तीन विकेट शामिल हैं। रविंद्र जडेजा को दो जबकि तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और अर्शदीप सिंह को एक एक विकेट मिला।

वर्ल्ड रिकार्ड की बराबरी

सूर्यकुमार यादव ने 56 बॉल पर 100 रन की पारी खेली, जबकि यशस्वी जायसवाल ने 60 रन बनाए। सूर्या ने टी-20 इंटरनेशनल में चौथा शतक जमाया है। वे दुनिया में सबसे ज्यादा टी-20 सेंचुरी जमाने वाले बैटर की सूची में रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल की बराबरी पर आ गए हैं। वहीं, जायसवाल ने तीसरी फिफ्टी जमाई।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का हेंडरिक्स बो शम्सी	60	41	6	3
शुभमन पगबाधा बो महाराज	08	06	2	0
तिलक का मार्करम बो महाराज	00	01	0	0
सूर्यकुमार का ब्रीज्के बो विलियम्स	100	56	7	8
रिंकू सिंह का स्टब्स बो बरगर	14	10	0	1
जितेश हिट विकेट बो विलियम्स	04	04	1	0
रविंद्र जडेजा रन आउट	04	02	1	0
अर्शदीप सिंह नाबाद	00	00	0	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	02	01	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 201/7
गेंदबाजी : बरगर 4-0-39-1, मार्करम 1-0-15-0, महाराज 4-0-26-2, विलियम्स 4-0-46-2, फेलुकवायो 3-0-33-0, शम्सी 4-0-38-1.

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
रीजा हेंडरिक्स रन आउट	08	13	1	0
मैथ्यू ब्रीज्के बो मुकेश	04	03	1	0
एडेन का जायसवाल बो जडेजा	25	14	3	2
क्लासेन का सिंह बो अर्शदीप	05	05	1	0
डेविड मिलर बो कुलदीप	35	25	2	2
डोनोवन फेरेइरा बो कुलदीप	12	11	0	1
फेलुकवायो का और बो जडेजा	00	03	0	0
केशव महाराज बो कुलदीप	01	03	0	0
नांद्रे बरगर पगबाधा बो कुलदीप	01	03	0	0
विलियम्स पगबाधा बो कुलदीप	00	02	0	0
तबरेज शम्सी नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 03, कुल : 13.5 ओवर में 95/10
गेंदबाजी : सिराज 3-1-13-0, मुकेश 2-0-21-1, अर्शदीप 2-0-13-1, जडेजा 3-0-25-2, वर्मा 1-0-4-0, कुलदीप 2.5-0-17-5.

विजय हजारे : राजस्थान फाइनल में, हरियाणा से कल होगा सामना

__राजकोट।__ कप्तान दीपक हुड्डा के शानदार 180 रन की मदद से राजस्थान ने कर्नाटक को छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हुड्डा ने 128 गेंद की पारी में 19 चौके और पांच छक्के लगाए। राजस्थान ने जीत का लक्ष्य 38 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। करण लाम्बा ने हुड्डा का बखूबी साथ निभाते हुए 112 गेंद में नाबाद 73 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 255 रन जोड़े। राजस्थान का सामना शनिवार को फाइनल में हरियाणा से होगा। हरियाणा ने पांच बार की चैम्पियन तमिलनाडु को 63 रन से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले कर्नाटक के लिए अभिनव मनोहर ने 91 और मनोज भंडागे ने 63 रन की पारियां खेली।

मेसी, एमबाप्पे और हॉलेंड प्लेयर ऑफ द ईयर की दौड़ में शामिल

__ज्यूरिख।__ फीफा के 2023 के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए इस बार मुकाबला लियोनल मेसी, काइलियान एमबाप्पे और एर्लिंग हैलेंड के बीच है। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने गुरुवार को पुरस्कार की दौड़ में शामिल खिलाड़ियों की अंतिम सूची की घोषणा की। यही तीनों खिलाड़ी बेलोन डियोर पुरस्कार की दौड़ में भी शामिल थे जिसे अक्टूबर में मेस्सी ने जीता था। बेलोन डियोर में हालांकि 2022 विश्व कप के प्रदर्शन पर भी गौर किया गया था जिसे मेस्सी की अगुआई में अर्जेन्टीना ने जीता था। कतर में खिताबी जीत के लिए मेस्सी फरवरी में पहले ही करियर में सातवीं बार फीफा पुरस्कार जीत चुके हैं। महिलाओं के वर्ग में साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में 2023 विश्व कप विजेता स्पेन की एटाना बोनमेट और जेनी हर्मोसो के अलावा कोलंबिया की लिंडा केइसेडो शामिल है।

वॉर्नर ने बनाया 26वां टेस्ट शतक आलोचकों के मुंह पर जड़ा तमाचा

एजेंसी ▶▶| पर्थ

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में डेविड वॉर्नर ने गुरुवार को शानदार शतक जमा दिया है। वॉर्नर का टेस्ट में यह 26वां शतक है। वॉर्नर का पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में यह छठा शतक है। ऐसा कर वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान टेस्ट किकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में जावेद मियांदाद, एलन बॉर्डर, ग्रेग चैपल की बराबरी कर ली है। वहीं, रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में 5 शतक लगाए थे। यानी वॉर्नर ने 6 शतक लगाकर पोंटिंग के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

49वीं इंटरनेशनल सेंचुरी

इंटरनेशनल क्रिकेट में वॉर्नर का यह 49वां शतक है। वॉर्नर ने अबतक पाकिस्तान के खिलाफ 11 टेस्ट मैच ही खेले हैं और 6 शतक लगाकर धमाका कर दिया है। वॉर्नर टेस्ट क्रिकेट में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे आगे इस मामले में सुनील गावस्कर (33), एलिस्टेयर कुक, मैथ्यू हेडन (30), ग्रीम स्मिथ (27) हैं। वॉर्नर ने बतौर ओपनर यह 26वां शतक लगाया है। वहीं, वॉर्नर दुनिया के इकलौते ऐसे ओपनर बल्लेबाज हैं जिनके नाम टेस्ट और वनडे में 20 से ज्यादा शतक दर्ज है।

चयन पर हुआ था हंगामा

बता दें कि वॉर्नर के टेस्ट कॅरियर का यह आखिरी सीरीज है। टेस्ट सीरीज से पहले उनके चयन को लेकर काफी हंगामा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने बरपाया था लेकिन डेविड वॉर्नर ने शतकीय पारी खेलकर आलचना करने वाले सभी लोगों के मुंह में ताला लगा दिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर बनाए 346 रन

सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अपनी विदाई टेस्ट श्रृखंला में शानदार शतक जड़ा जिससे आस्ट्रेलिया ने गुरुवार का यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले के शुरुआती दिन पाकिस्तान के कम अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ स्टंप तक पांच विकेट पर 346 रन बना लिए। वॉर्नर ने 211 गेंद में 164 रन की शतकीय पारी खेली और यह उनका साल का पहला टेस्ट शतक था जिससे उन्होंने कप्तान पैट कमिंस के उछाल भरी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया। सैंतीस साल के वॉर्नर अपने गृहनगर सिडनी में अंतिम टेस्ट के बाद संन्यास ले लेंगे।

केकेआर की कप्तानी के लिए अय्यर की वापसी, राणा होंगे उप कप्तान

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता नाइटराइडर्स के टीम प्रबंधन ने गुरुवार को घोषणा की कि भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में टीम की अगुवाई करेंगे। अय्यर पीठ की चोट के कारण आईपीएल के पूरे 2023 चरण में नहीं खेल पाए थे जिससे कोलकाता नाइटराइडर्स को कप्तानी की जिम्मेदारी नीतिश राणा को सौंपनी पड़ी थी। अय्यर ने फिर अप्रैल में लंदन में सर्जरी कराई थी।

केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने यह घोषणा करते हुए कहा, 'हमें खुशी है कि वह वापस आ गए हैं और कप्तानी की जिम्मेदारी उठाएगे।' श्रेयस ने सितंबर में एशिया कप में वापसी की थी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में मोहाली में 86 गेंद में शतक जड़कर फॉर्म में वापसी की थी। हाल में समाप्त हुए विश्व कप में वह महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे और उन्होंने 11 पारियों में दो शतक और तीन अर्धशतकों से 66.25 के औसत से 530 रन बनाए थे।

सेमीफाइनल में जर्मनी से हारा भारत, अब कांस्य की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

पिछले मैच में नीदरलैंड पर शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम उस लय को सेमीफाइनल में कायम नहीं रख सकी और जर्मनी ने कमोबेश एकतरफा मुकाबले में उसे 4-1 से हराकर तीसरी बार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप जीतने का सपना तोड़ दिया। क्वार्टर फाइनल में दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करने वाली भारतीय टीम के पास जर्मनी के मजबूत डिफेंस और चुस्त आक्रमण का जवाब नहीं था।

जर्मनी ने चारों क्वार्टर में एक एक गोल किया जबकि भारत के लिए एकमात्र गोल चिरमाको सुदीप ने 11वें मिनट में दागा। जर्मनी के लिए हेसबाक बेन ने आठवें मिनट में मैदानी गोल और 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया जबकि ग्लेंडर पॉल ने 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। स्पर्लिंग फ्लोरियन ने आखिरी सीटी बजने से दो मिनट पहले मैदानी गोल करके 4-1 से जीत पर मुहर लगाई। अब भारत को कांस्य पदक के लिए फ्रांस या स्पेन से खेलना होगा।

शमी का अफ्रीकी दौरे तक फिट होना मुश्किल

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

टखने की चोट से उबर रहे भारत के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला के लिए समय पर फिट होने की राह आसान नहीं होगी।

शमी को 30 नवंबर को घोषित भारत की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था लेकिन इस 33 वर्षीय तेज गेंदबाज की उपलब्धता चोट से उनके उबरने पर निर्भर करेगी।

इस संदर्भ में एजेंसी का अनुमान है कि शमी कप्तान रोहित शर्मा, सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली, साथी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट टीम के अन्य सदस्यों के साथ शायद दक्षिण अफ्रीका रवाना नहीं हो पाएंगे। इन सभी को शुक्रवार को जोहानिसबर्ग के लिए रवाना होना है।

दीपक हुड्डा के 180 रन से कर्नाटक को हराकर राजस्थान विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

कप्तान दीपक हुड्डा के शानदार 180 रन की मदद से राजस्थान ने कर्नाटक को छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हुड्डा ने 128 गेंद की पारी में 19 चौके और पांच छक्के लगाये। राजस्थान ने जीत का लक्ष्य 38 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। करण लाम्बा ने हुड्डा का बखूबी साथ निभाते हुए 112 गेंद में नाबाद 73 रन बनाये। राजस्थान ने छठे ओवर में तीन विकेट सिर्फ 23 रन पर गंवा दिये थे जिसके बाद इन दोनों ने चौथे विकेट के लिये 255 रन जोड़े। राजस्थान का सामना शनिवार को फाइनल में हरियाणा से होगा। हरियाणा ने पांच बार की चैम्पियन तमिलनाडु को 63 रन से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले कर्नाटक के लिये अभिनव मनोहर ने 91 और मनोज भ्ंडागे ने 63 रन की पारियां खेली।

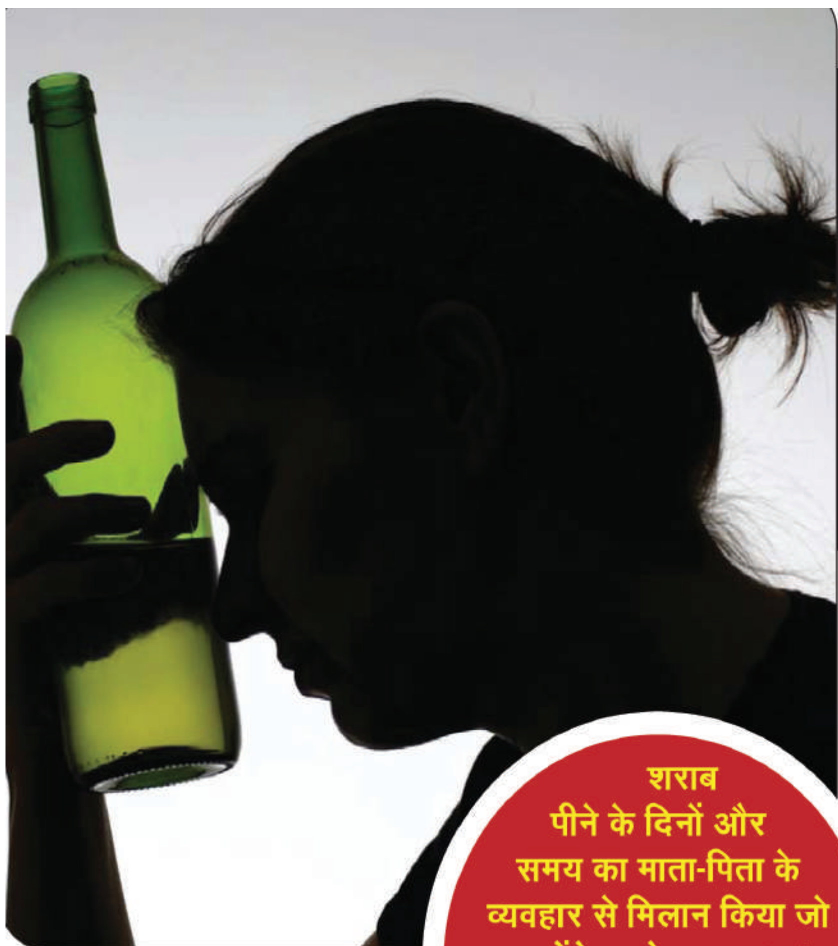

शराब पीने वालों के बच्चों का पालन-पोषण हो सकता है प्रभावित

ओहायो (अमेरिका) (द कन्वरसेशन)। आप आम तौर पर एक सप्ताह, एक महीने, एक साल में कितनी शराब पीते हैं? क्या आपने इस बात पर ध्यान दिया है कि आप नए साल की पूर्वसंध्या पर, क्रिस्मस पर,खेल आयोजनों व त्योहारों के दौरान कितनी शराब पीते हैं? जब शोधकर्ता तुलना करते हैं कि कितनी शराब बेची जाती है और लोग कितनी शराब पीने की मात्रा के बारे में बताते हैं, तो अमेरिका में शराब की खपत 30% से लेकर ऑस्ट्रेलिया में 80% तक कम आंकी गई है। छुट्टियों, शादियों या प्रमुख खेल आयोजनों जैसे विशेष अवसरों में यह अंतर बहुत अधिक होता है। किसी विशेष कार्यक्रम में कोई व्यक्ति कितना पीता है, यह काफी भिन्न हो सकता है, पुरुषों के लिए प्रति सप्ताह चार अतिरिक्त पेय और महिलाओं के लिए प्रति सप्ताह तीन पेय अतिरिक्त होते हैं, और लोग आमतौर पर इस बढ़ोतरी को अपनी शराब की नियमित खपत में शामिल नहीं करते हैं।

शराब पीने के दिनों और समय का माता-पिता के व्यवहार से मिलान किया जो उन्होंने पहले बताया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे इस अभिभावक अध्ययन में 93% माएं थीं।

एक शोध टीम शराब के उपयोग और बच्चों के पालन-पोषण पर इसके प्रभावों का अध्ययन करती है, जिसका अंतिम लक्ष्य सकारात्मक पालन-पोषण का समर्थन करने वाली रणनीतियों की पहचान करना है। विशेष रूप से त्योहारों की छुट्टियों के मौसम में - ऐसे आयोजन जहां शराब पीना आम बात है - यह समझना कि विशेष अवसर पर शराब पीने से माता-पिता अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, इससे लोगों को अपनी दिनचर्या बदलने में मदद मिल सकती है, जिससे इन अवसरों को सभी के लिए और अधिक मनोरंजक बनाया जा सके।

सामाजिक समस्याओं पर शराब का प्रभाव

यह कोई नई बात नहीं है कि शराब कई सामाजिक समस्याओं से संबंधित है: हिंसा, यातायात दुर्घटनाएं, बाल शोषण और उपेक्षा। शराब विशेष अवसरों के दौरान बुरे व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। उदाहरण के लिए, नए साल की पूर्व संध्या के बाद नशे में गाड़ी चलाने की घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। प्रमुख खेल आयोजनों के दिनों में पुरुषों द्वारा शराब का सेवन उनके परिवारों के प्रति अधिक हिंसा से संबंधित है। हालाँकि, इस रिश्ते का अध्ययन चूंकि मुख्य रूप से पुरुषों के बीच किया गया है, हम नहीं जानते कि क्या यह महिलाओं के लिए भी ऐसा ही है। पिछले कई दशकों में महिलाओं का शराब पीना बढ़ रहा है, जिससे यह समझने योग्य एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है। माता-पिता के पालन-पोषण के दौरान शराब पीने से बच्चों की देखरेख में लापरवाही हो सकती है या पालन-पोषण में अधिक कठोर व्यवहार हो सकता है। हालिया अध्ययन में, यह देखा गया कि क्या माता-पिता द्वारा दो विशेष अवसरों पर शराब का सेवन आक्रामक अनुशासन के उपयोग से संबंधित था - चाहे पिटाई जैसी शारीरिक सजा, या चिल्लाने और धमकाने जैसी मनोवैज्ञानिक आक्रामकता। एक बड़े अध्ययन के हिस्से के रूप में, हमने दो विशेष अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया जहां शराब पीना एक सामान्य दिन से भिन्न हो सकता है: सुपर बाउल रविवार और वेलेंटाइन डे। हमने जो पाया उसने हमें आश्चर्यचकित कर दिया।

विशेष दिनों में अधिक शराब पीना

फरवरी 2021 में, हमने 307 अभिभावकों को 14 दिनों के लिए तीन संक्षिप्त दैनिक सर्वेक्षण करने के लिए कहा। हमने सुबह 10 बजे, दोपहर 3 बजे माता-पिता के फोन पर एक टेक्स्ट संदेश भेजा। और रात 9 बजे इसमें सवाल पूछा गया कि क्या उन्होंने पिछले सर्वेक्षण के बाद से विशिष्ट अनुशासन रणनीतियों का उपयोग किया है। सातवें और 14वें दिन, सर्वेक्षण में यह सवाल शामिल था कि क्या माता-पिता ने पिछले सप्ताह के दौरान शराब पी थी। यदि उन्होंने ऐसा किया, तो हमने उनसे हमें यह बताने के लिए कहा कि किस दिन और किस समय सीमा के दौरान। हमने उनके द्वारा शराब पीने के दिनों और समय का माता-पिता के व्यवहार से मिलान किया जो उन्होंने पहले बताया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे इस अभिभावक अध्ययन में 93% माएं थीं। अध्ययन के दौरान गैर-विशेष अवसर वाले दिनों (14.7%) की तुलना में माता-पिता का अधिक प्रतिशत किसी विशेष अवसर जैसे वेलेंटाइन डे (23.7%) और सुपर बाउल संडे (16.9%) पर शराब का अधिक सेवन करता था। सुपर बाउल के दौरान शराब पीने से बच्चों के साथ व्यवहार में आक्रामक तरीके अपनाने की आशंका भी 2.5 गुना अधिक थी। हालाँकि, वैलेंटाइन डे पर शराब पीने का संबंध आक्रामक अनुशासन का उपयोग करने की कम संभावना से जुड़ा था।

देखभाल के साथ पालन-पोषण करते हुए भी जश्न मनाना

हमारे परिणाम सुझाव देते हैं कि माता-पिता यह याद रखना चाहेंगे कि छुट्टियों की पार्टियों या पारिवारिक समारोहों जैसे विशेष आयोजनों में शराब पीना न केवल उनके शराब सेवन के नियमित पैटर्न से भिन्न हो सकता है, बल्कि यह इस बात को भी प्रभावित कर सकता है कि वे कार्यक्रम के दौरान और यहां तक कि अगले दिन अपने बच्चों के साथ कैसे बातचीत करते हैं। माता-पिता विशेष अवसरों के दौरान जब वे शराब पीना चुनते हैं तो बच्चों के प्रति अपने कठोर व्यवहार को कम करने के लिए क्या कर सकते हैं ? माता-पिता पहले से इसकी योजना बना सकते हैं और किसी ऐसे व्यक्ति का चयन कर सकते हैं जो शराब नहीं पीता हो और बच्चों की देखरेख का बीड़ा उठाए। यह एक या एकाधिक लोग हो सकते हैं। अल्कोहल की मात्रा को कम करने के लिए नॉनअल्कोहलिक मॉकटेल या हल्की बियर पी जा सकती है।

सोशल मीडिया से प्रभावित हो रही फिल्म समीक्षा

तिरुवनंतपुरम (वार्ता)। केरल अन्तरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफके) के 28वें संस्करण में खुले मंच में सोशल मीडिया समीक्षाओं को बहुमत से वोट मिलते देखा गया है।प्रतिभागी पैनलिस्टों ने फिल्म समीक्षा में सोशल मीडिया की अपरिहार्य भूमिका को स्वीकार करते हुए इस बात पर जोर दिया कि समीक्षाएँ अक्सर मुख्य रूप से प्रमुख फिल्मों पर केंद्रित होती हैं।आईएफएफके जूरी सदस्य पियरे साइमन गुटमैन ने ओटीटी प्लेटफार्मों पर अच्छी फिल्मों की समीक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जूरी के एक अन्य सदस्य मेलिस बेहलिल ने बड़ी प्रस्तुतियों की आलोचना के बीच छोटी फिल्मों के लुप्त होने पर प्रकाश डाला। एन विद्याशंकर ने बताया कि सोशल मीडिया न केवल समीक्षाओं की मेजबानी करता है बल्कि उन चर्चाओं को भी सुविधाजनक बनाता है जहां विविध राय व्यक्त की जा सकती है। जी पी रामचंद्रन ने आकलन किया कि अब आम चलन फिल्म समीक्षा क्षेत्र की ओर लौटने का है। अश्वथी गोपालकृष्णन ने जोर देकर कहा कि फिल्म आलोचना सोशल मीडिया से अविभाज्य है, जो एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आईएफएफके में 'अट्टम'आखिरी स्क्रीनिंग के लिए तैयार

तिरुवनंतपुरम (वार्ता)। केरल अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफके) में आनंद एकार्शी की पहली फिल्म आट्टम (द प्ले) गुरुवार को अपनी आखिरी स्क्रीनिंग के लिए तैयार है। फिल्म को महोत्सव में पहले ही दर्शकों का भारी समर्थन मिला है। यह फिल्म एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे उस स्थान पर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है जिसे वह सुरक्षित मानती थी।महोत्सव में इसके अलावा 66 अन्य फिल्में भी आज 14 स्क्रीनों पर दिखाई जाएंगी। इसमें आठ ऑस्कर-नामांकित फिल्में शामिल हैं। इनमें से सात फिल्मों की आखिरी स्क्रीनिंग हो रही है, जिनमें टाइगर स्ट्राइप्स, परफेक्ट डेज, अबाउट ड्राई ग्रास, द डेलिनक्वेंट्स, फॉलन लीव्स, द सेटलर्स और ब्लागाज लेसन्स शामिल हैं।

ग्रेटा गेरविग कान फिल्म महोत्सव निर्णायक मंडल प्रमुख नियुक्त

लॉस एंजेल्स (भाषा)। कान फिल्म महोत्सव ने अपने 77वें संस्करण के लिए अभिनेत्री और फिल्म निर्देशक ग्रेटा गेरविग को निर्णायक मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया। मनोरंजन समाचार पोर्टल 'डेडलाइन' की रिपोर्ट में गेरविग को 'आधुनिक समय की नायिका' कहा गया, जिसने 'यथास्थिति' को बदलकर रख दिया था। फिल्म महोत्सव के आयोजकों ने बृहस्पतिवार को सुबह यह खबर साझा की। गेरविग, कान फिल्म महोत्सव में निर्णायक मंडल की अध्यक्ष की भूमिका निभाने वाली पहली अमेरिकी महिला निर्देशक बन जाएंगी, वहीं दूसरी अमेरिकी महिला होंगी। उनसे पहले 1965 में अभिनेत्री ओलिविया डि हैविलैंड निर्णायक मंडल की अध्यक्ष रह चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'अनजान जगह पर रहना, अजनबियों से भरे अंधेरे थिएटर में, एक बिल्कुल नई फिल्म देखना मेरी पसंदीदा जगह है। मैं कान फिल्म महोत्सव के निर्णायक मंडल के अध्यक्ष के रूप में काम करने को लेकर बेहद रोमांचित हूं। एक सिनेमा प्रेमी के रूप में फिल्मों की सार्वभौमिक भाषा क्या हो सकती है, कान हमेशा से इसका केंद्र बिंदु रहा है।'

अक्षय की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग शुरू

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग शुरू हो गई है। अक्षय कुमार स्टारर फिल्म की रिलीज से पहले हाल ही में मेकर्स को लेकर काफी विवाद भी हुआ है, जिसके चलते शूटिंग बीच में ही रोक दी गई थी। लेकिन अब इस फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू हो गई है। अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षय कुमार के साथ लारा दत्ता, अरसद वारसी, दिशा पाटनी और फिल्म के अन्य कलाकार भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में लारा शूटिंग के दौरान अक्षय और अरसद पर कोड़े बरसाती हुई नजर आ रही है।

'ड्राई डे' में शराबी के साथ रिश्ते में फंस जाती हैं श्रिया पिलगांवकर

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर की आगामी फिल्म 'ड्राई डे' रिलीज के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि वह फिल्म में एक छोटे शहर की लड़की की भूमिका निभा रही हैं, जो शराब के आदी एक लड़के के साथ रिश्ते में फंस गई है। फिल्म में जितेंद्र कुमार भी हैं। अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि फिल्म प्यार की शक्ति का पता लगाती है। अभिनेत्री ने कहा, हमारी फिल्म 'ड्राई डे' की कहानी मनोरंजक है। यह निश्चित रूप से दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव पैदा करेगी। हमारे पास एक सुंदर कलाकार और टीम है। मैं छोटे शहर की एक साहसी, आकर्षक लड़की निर्मला का किरदार निभा रही हूं, जो एक शिक्षित परिवार से आती है, लेकिन गन्नू के साथ रिश्ते में फंस जाती है, जिसे शराब की लत है। उन्होंने आगे बताया, वह भविष्य के लिए गन्नू को सुधारने की पूरी कोशिश करती है।

नई तकनीक से आसान हुआ डेंगू, मलेरिया की पहचान करना

■ उन्नत किट से आती है सही रिपोर्ट और शीघ्रता से सही इलाज करने में मिलती है मदद

नई दिल्ली। डेंगू और मलेरिया दुनिया के लिए आज भी बड़ी चुनौती बने हुए है। दुनिया के कई हिस्सों में इनसे अस्वस्थता व मौत के मामले काफी बढ़े है। इन बीमारियों के कुशल और प्रभावी इलाज के लिए इनका शीघ्र एवं सटीक परीक्षण जरूरी है। इन बीमारियों का सटीकता के साथ पता लगाने के लिए हाल के वर्षों में उन्नत निदान किट आई है। इनकी मदद से बीमारी का शीघ्र पता लगाकर प्रभावी इलाज करना संभव हो गया है। साथ ही इलाज करने में जो चुनौतियां सामने आ रही थीं उनसे निपटने में मदद मिली है। यह जानकारी रूटीन डायग्नोस्टिक्स, ट्रिविट्रॉन हेल्थकेयर के उपाध्यक्ष धीरेन रामजी ट्रैम्बडिया ने दी।

उन्होंने बताया कि डेंगू और मलेरिया के लिए पारंपरिक निदान विधियाँ, जैसे माइक्रोस्कोपी और रैपिड नैदानिक परीक्षणों (आरडीटी) की सीमाएं है। है। माइक्रोस्कोपी के लिए कुशल तकनीशियन की आवश्यकता होती है और यह समय लेने वाली प्रक्रिया है। कम परजीवी घनत्व का पता लगाने के लिए यह पर्याप्त प्रभावशाली नहीं है। आरडीटी तेज़ होते हुए भी इसमें अक्सर सटीकता की कमी रहती है। डेंगू सीरोटाइप और मिश्रित संक्रमण के बीच अंतर करना इसके लिए मुश्किल होता है। उन्नत किट से अब इन चुनौतियों से पार पाना आसान हो गया है। उन्नत किट नवीन तकनीकों का उपयोग करती है जैसे पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) और न्यूक्लिक एसिड संवर्धन तकनीक। वे संवेदनशीलता और विशिष्टता बढ़ाती हैं। इससे अब सही रिपोर्ट आती है और शीघ्रता से सही इलाज करने में मदद मिलती है। ये विधियां कम परजीवी या कम वायरल लोड का भी पता लगा सकती है। इससे अब सही रिपोर्ट आती है। इन किटों में मल्टीप्लेक्स पीसीआर से मल्टीपल रोगाणु व विकार का पता लग जाता है। डेंगू के मामले में जहां चार सीरोटाइप मौजूद है। यह खूबी उपचार व इलाज की रणनीतियों को तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह क्षमता यह सुनिश्चित करती है कि मरीजों को उचित देखभाल हो और उन्हें कम से कम दिक्कत हो।

प्वाइंट-ऑफ-केयर टेस्टिंग (पीओसीटी) उपकरणों का विकास भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये पोर्टेबल किट कुछ मिनटों में ही परिणाम दे सकती हैं। इससे रोगियों का समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। ये किट विशेष रूप से दूर वाले व कम संसाधन वाले क्षेत्र जहां लैब की सुविधाएं नहीं हैं, वहां के लिए मूल्यवान है। उन्नत किट से वायरल या व परजीवी की मात्रा को भी मापा जा सकता है। परजीवी भार से रोग की निगरानी, रोग की प्रगति का आकलन और इलाज करने में मदद मिलती है।

इससे चिकित्सक जरूरत के अनुसार उपचार में बदलाव कर सकते है और रोगी की बेहतर देखभाल कर सकते हैं। इन किटों में आणविक तकनीकों का एकीकरण संक्रमणों का शीघ्र पता लगाने की सुविधा प्रदान करता है, स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को सक्षम बना तुरंत अच्छे परिणाम देने में सक्षम बनाता है। यह सक्रिय दृष्टिकोण बीमारी के प्रसार को रोक सकता है और और स्वास्थ्य सुविधाओं पर बोझ कम कर सकता है।

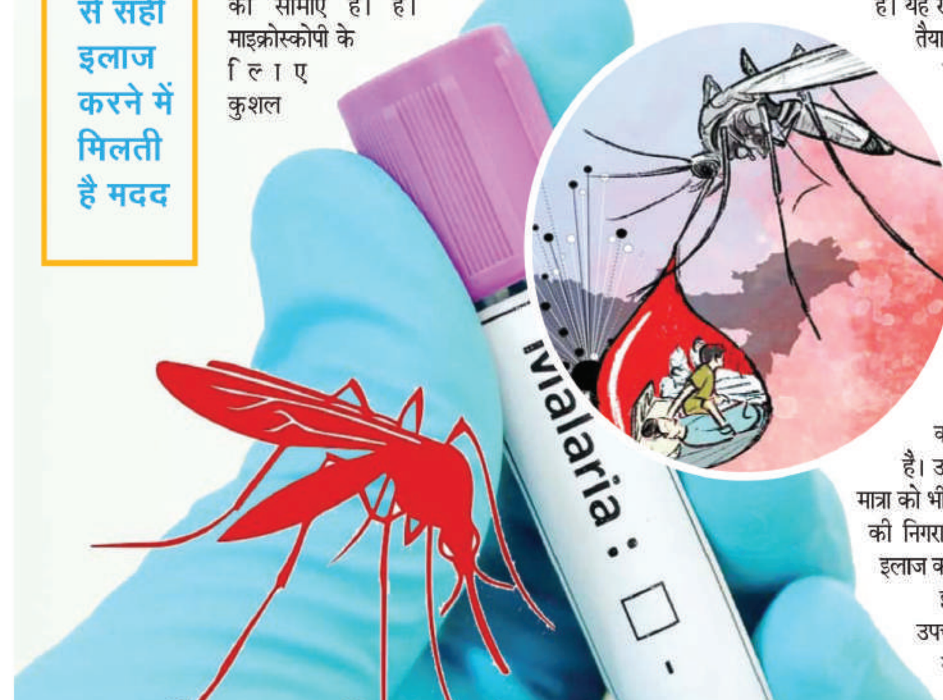

डीएम ने किया धान क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण मातहतों की कसी पेंच दलाल को भेजा जेल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने विकास खण्ड रेवतीपुर के धान क्रय केन्द्र बी-पैक्स साधन सहकारी समिति लि0 ताड़ीघाट अ व ब का स्थलीय निरीक्षण कर धान क्रय के सम्बन्ध मे जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होनें क्रय केन्द्र पर उपलब्ध अभिलेखो व किसानों के लिए उपलब्ध करायी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं तथा क्रय हेतु उपकरणों तथा इलेक्ट्रानिक कांटा, नमी मापक यंत्र, बोरा, बैनर, धान का नमूना, टोकन रजिस्टर, डेली क्रय किये गये धान की स्थिति आदि के बारे जानकारी ली। धान क्रय केन्द्र पर धान खरीद की स्थिति की जानकारी लेते हुए धान क्रय केन्द्र बी0-पैक्स ताड़ीघाट अ पर कुल 60 कृषक पंजीकृत रहे जिसमें 52 कृषकों द्वारा धान खरीद-4858 कुन्तल किया गया तथा मिल को धान डिलीवरी-3200 कुन्तल, केन्द्र पर अवशेष धान-1658 कुन्तल बचा एवं धान खरीद केन्द्र बी-पैक्स ताड़ीघाट (ब) पर कुल पंजीकृत 54 कृषकों द्वारा 4954.800 कुन्तल धान क्रय किया गया जिसमें मिल को धान डिलीवरी 3200 कुन्तल के उपरान्त केन्द्र पर अवशेष धान 1754 कुन्तल मौके पर पाया गया। निरीक्षण के दौरान धान क्रय केन्द्र पर नमी मापक यत्रं खराब पायी गयी, केन्द्र प्रभारी द्वारा अभिलेखों का रख-रखाव सही नही था तथा प्रभारी द्वारा केन्द्र पर अवशेष क्रय किये गये धान के बोरो की संख्या सही नही पायी गयी जिसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि अवशेष धान की डिलीवरी जी0पी0एस0लगे ट्रक द्वारा सम्बन्धित मिल को डिलीवरी किया जाय, जिससे धान खराब न हो। उसके उपरान्त निरीक्षण के दौरान मौके पर धान क्रय केन्द्र पर फर्जी व्यक्ति अरविन्द राय ग्राम-डूहिया पोस्ट ताड़ीघाट पाये जाने पर जिलाधिकारी ने तत्काल थाना प्रभारी को बुलकार थाने भेजा तथा कड़े निर्देश दिये कि धान क्रय केन्द्रो पर कृषकों के अलावा कोई भी अन्य व्यक्ति दिखे नही अन्यथा की स्थिति में पाये जाने पर केन्द्र प्रभावी स्वम जिम्मेदार होगे। जिलाधिकारी ने आदेशित किया कि किसानों को 48 घंटे में भुगतान होना चाहिए यहां के लेखपाल को निर्देश दिया कि वह सीमान्त किसानो को प्रत्येक गांव में जाकर जागरूग करते हुए धान क्रय केन्द्र पर ही अपना धान बिक्री करने हेतु प्रेरित करे। जिलाधिकारी ने धान क्रय केंद्र प्रभारी को निर्देश दिया कि केन्द्र पर किसानों को बैठने के लिए पेयजल व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्था करे जिससे किसानों को कोई परेशानी न होने पाये। किसी भी धान क्रय केन्द्र पर बिचौलियों के माध्यम से क्रय किये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध उचित कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान केन्द्र प्रभारी सुधाकर राय, किसान सुभाष राय के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रम कानूनों में बदलाव ने श्रमिकों को तबाही ओर धकेल दिया है : अमेरिका सिंह यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ब्लॉक कमेटी करण्डा की बैठक पार्टी के कैंप कार्यालय चोचकपुर कंचनपुर में संपन्न हुई।इसे सम्बोधित करते हुए पार्टी राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमेरिका सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार लगातार जनविरोधी साबित हो रही है।शिक्षा में प्रतिक्रियावादी तथ्य को डाला जा रहा है।वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दरकिनार किया जा रहा है।इसका बाजारीकरण के साथ ही हद से ज्यादा महँगी कर दी गई जो आम आदमी के बश की नहीं है।वाही स्वास्थ्य की दशा है। किसानो के उत्पाद के मूल्य एवं औद्योगिक उत्पाद के मूल्यो में कोई संतुलन नही है।किसान बर्बाद होने को मजबूर है।श्रम कानूनों में बदलाव ने श्रमिकों को तबाही की ओर धकेल दिया है।राजनीति लोगों के जीवन की समस्याओं पर न होकर हिन्दु मुसलमान, जाति, मजहब, संप्रदाय को अपना कर ध्रुवीकरण कर पर केंद्रित हो गई है। लोकतंत्र संविधान सब खतरे में है। हमारा काम किसानो मजदूरों गरीबों को संगठित कर-के सत्ता में जाना है।इसके लिए समर्पित, संगठित, पार्टी का निर्माण करना होगा।इसमे पार्टी के नेता बब्बन सिंह यादव ने कहा कि यह सरकार जनता को जितना दे रही है उससे अधिक टैक्स ले रही है।यातायात का किराया एवं उपभोग समग्रियों का मूल्य बढ़ा दिया गया है।ऐसी सरकार को सत्ता से बाहर करना होगा।बैठक में ब्लॉक मंत्री डॉक्टर शिवमूरत बिंद ने कार्यात्मक, संगठनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। जिस पर ताराचंद पाण्डेय, सूर्यनाथ बिंद, मुन्नीलाल, सुरेश विश्वकर्मा, रामदर्श राम, डॉक्टर रामप्रसाद वर्मा, विचार प्रगट किया।बैठक ने खंड विकास कार्यालय द्वारा कल्याणकारी योजनाओं में व्याप्त् भ्रष्टाचार की घोर निंदा की गई एवं रोकने की प्रशासन से मांग की गई।अंत में सदस्यता नवीनीकरण 25 जनवरी तक पुरा करने तथाफंड कलेक्शन का निर्णय लिया गया।

पीजी कालेज में हुआ गन्ना पर शोध के लिए शाहजहांपुर से आए वैज्ञानिकों से समझौता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को पी जी कॉलेज गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डा राघवेंद्र कुमार पांडेय के निर्देशन में विभागाध्यक्ष, प्लांट पैथोलॉजी प्रोफे डा0 सत्येंद्र नाथ सिंह और यू पी काउंसिल ऑफ शुगरकेन रिसर्च के निदेशक डा एस के शुक्ला के मार्गदर्शन में शाहजहांपुर से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वय डा सुजीत कुमार सिंह विभागाध्यक्ष, प्लांट पैथोलॉजी एवम डा अनिल कुमार सिंह के बीच गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता हुआ। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अंतर्गत पी जी कॉलेज के कृषि विभाग में गन्ना पर शोध करने वाले छात्रों को अब संसाधन के साथ ही उच्च गुणवत्ता पूर्ण रिसर्च को बढ़ावा देने में इस संस्थान का सहयोग मिलेगा जिससे शोध एक नई ऊंचाई तक पहुंचेगा। इस प्रयास से जिले में गन्ना के गिरते क्षेत्रफल को बढ़ाने एवम् नवीनतम प्रजातियों के बारे में भी जानकारी मिलेगी जो खासकर पूर्वी उत्तरप्रदेश के लिए विकसित की गई है। इस अवसर का सदुपयोग करने के लिए महाविद्यालय के प्रबंधक व सचिव ने दोनो संस्थानों के प्रमुखों को बहुत बहुत बधाई दी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाई भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मोहम्मदाबाद विधानसभा के परसा ग्राम पंचायत में कांग्रेस कार्यकताओं ने महान स्वतंत्रता सेनानी पूर्व उप प्रधानमंत्री भारत रत्न लौह पुरुष स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की पुण्यतिथि डॉ जाफर अली के आवास पर मनाई गई कार्यकताओं और नेताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया तत्पश्चात नेहरू एवं गांधी के आधुनिक भारत में योगदान पर गोष्ठी की गई गोष्ठी में कार्यकताओं ने नेहरू और सरदार वल्लभ भाई के योगदान को याद करते हुए कहा कि जब देश आजाद हुआ था तो भारत में एक सुई भी नहीं बनती थी यह नेहरू की नेतृत्व क्षमता और पटेल की दृण इच्छा शक्ति से ही संभव हो पाया जो आज भारत विकास के पथ पर अग्रसर है गोष्टी को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और मोहम्मदाबाद विधानसभा के पूर्व

प्रत्याशी डॉक्टर जनक कुशवाहा ने कहा की नेहरू और पटेल ने आधुनिक भारत की बुनियाद रखी पंडित जवाहरलाल नेहरू की कूटनीति राजनीतिक नेतृत्व क्षमता और पटेल के प्रशासनिक दक्षता के बल पर भारत के विकास की जो नीव रखी गई आज उसी की देन है कि भारत विकास के पथ पर अग्रसर है नेहरू और पटेल के विचारधारा भारतीय जनता पार्टी के लिए अभिशाप बना हुआ है यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बार-बार नेहरू और पटेल के विचारधारा पर हमला करते हुए उन पर अपमानजनक टिप्पणी करने की कोशिश करते हैं परंतु उन्हें इतिहास पढ़ने की आवश्यकता है नेहरू जी की दूरदर्शिता की देन है कि आज जम्मू कश्मीर भारत का हिस्सा है सरदार पटेल पर बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी सरदार पटेल के नाम से अहमदाबाद में बनी स्टेडियम का नाम बदलकर उनका अपमान किया है। नेहरू और पटेल की नेतृव क्षमता अद्भुत थी उनकी तुलना तत्कालीन या वर्तमान में किसी नेता से करना दूषित मानसिकता का परिचायक है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से गयासुद्दीन अंसारी रमेश कुमार मनोज पांडे दुर्गेश तिवारी विश्व विजय गुप्ता इरफान खान अब्दुल हमीद शाह गाजी जलालुद्दीन शाह मनोहर यादव जूना शर्मा रामनारायण कुशवाहा सहित तमाम लोगों उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ कांकेर में नक्सलियों द्वारा माइंस विस्फोट में गाजीपुर का लाल शहीद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। देश की रक्षा प्रणाली में शहीद हुए गाजीपुर के जवानों का एक लंबा इतिहास है, इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के कांकेर में गुरुवार को अपराह्न बीएसएफ दाय़ा गस्त के दौरान नक्सलियों द्वारा बिछाए गये माइंस के बिस्फोट में जिले के भावरकोल विकास खंड के शेरपुर खुर्द गांव निवासी बीएसएफ के हेड कांस्टेबल अखिलेश कुमार राय उम्र 45 शहीद हो गए। इस सम्बन्ध में परिजनों के हवाले से छत्तीसगढ़ से बीएसएफ अधिकारियों दाय़ा परिजनों को अपराह्न लगभग तीन बजे शहीद होने की सूचना मिलते ही पुरे गांव में मातम छा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को थाना परतापुर से जिला रिजर्व गार्ड और बीएसएफ की संयुक्त टीम तलाशी अभियान पर निकली थी। कैंप से लगभग 4 किलोमीटर दूर महला की तरफ ग्राम मुसरहा घाट स्थित टेकरी के पास अखिलेश नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आ गए। विस्फोट से उनका एक पैर पूरी तरह से जख्मी हो गया। घायल जवान को आनन फानन में पंखाजूर स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि वारदात के बाद आसपास के क्षेत्र में जिला रिजर्व गार्ड और बीएसएफ जवानों के द्वारा तलाशी अभियान और तेज कर दिया गया है। बताते चलें कि

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से बलिदान हुए सीमा सुरक्षा बल की 47वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल शेरपुर खुर्द निवासी अखिलेश कुमार राय अभी मात्र आठ दिन पहले ही छुट्टी काटकर ड्यूटी पर छत्तीसगढ़ गए थे। शेरपुर खुर्द निवासी अखिलेश कुमार राय वर्ष 2002 में सीमा सुरक्षा बल की 47वीं बटालियन में भर्ती हुए थे। इस समय उनकी तैनाती छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुई थी। छठ पूजा मे शामिल होने वह छुट्टी पर घर आए थे, उनका पूरा परिवार इस समय गाजीपुर शहर के चंदन नगर कॉलोनी में अपने मकान में रहते है। इस बीच छत्तीसगढ़ में नक्सली ब्लास्ट में बलिदान हो गए अखिलेश कुमार राय अपने दो भाइयों में छोटे थे बड़े भाई अंजलेश कुमार राय भी सीमा सुरक्षा बल में ही है जो दिल्ली में तैनात है। शहीद होने की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिवार के सभी लोग चंदन नगर कॉलोनी स्थित मकान से शेरपुर खुर्द अपने पैतृक आवास आ गए। अखिलेश राय के पिता का निधन कुछ वर्ष पहले ही हुआ था। मां शारदा देवी, पत्नी विंध्या देवी, तीन पुत्रियां श्रुति राय, प्रीति राय, जागृति राय एवं पुत्र अतुल राय का रोते-रोते बुरा हाल है।

विधायक व डीएम के द्वारा पशुओं के टीकाकरण के लिए वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

प्रखर संतकबीरनगर। विधायक मेहदावल अनिल त्रिपाठी, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार एवं सांसद प्रतिनिधि आनन्द कुमार त्रिपाठी द्वारा पशुपालन विभाग द्वारा संचालित खुरपका, मुहपका बीमारी टीकाकरण का शुभारंभ करते हुए पशुपालन विभाग की नव बहुउद्देशीय गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी जी द्वारा बताया गया कि जनपद में कुल लगभग 228000 गोवंश महिषवंश पशु हैं जिनमे शत-प्रतिशत टीकाकरण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यकम के अन्तर्गत खुरपका-मुहपका टीकाकरण अभियान तृतीय चरण जनपद में प्रारम्भ किया जा रहा है। इस कार्यकम अन्तर्गत जनपद में समस्त गोवंशीय पशु एवं महिषवंशीय पशु का टीकाकरण (04 माह से छोटे एवं 08 माह से ऊपर ग्याबन पशुओं को छोड़कर) किया जाना है। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि खुरपका-

मुहपका एवं विषाणु जनित संक्रामक रोग है, जिसके संकमण में आ जाने के उपरान्त पशु को तेज बुखार आता है, मुह से लार गिरती है, मुह एवं पैरो में छाले पड़ जाते है, पशु चारा खाना छोड़ देता है, दुग्ध उत्पादन घटते-घटते शून्य हो जाता है। ग्यावन पशु बच्चा गिरा देता है और सही समय पर उपयुक्त इलाज नही दिया गया तो पशु की मौत भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस रोग से बचाव हेतु टीकाकरण मात्र एक उपाय है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यकम जो केन्द्र सरकार द्वारा पोषित है तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित है, में समस्त पशुपालको के द्वार पर उनके पशुओं में निःशुल्क टीकाकरण किया जाता है। इस कार्यक्रम में टीकाकरण से पूर्व कान में छल्ला लगवाना (ईयर टैगिंग) अनिवार्य है। मुख्य पुश चिकित्साधिकारी द्वारा सभी पशुपालको से अपील की गयी है कि पशुपालन विभाग द्वारा चलाये जा रहे 45 द्विवसीय अभियान के दौरान टीकाकरण कर्मियों का सहयोग करते हुए अपने समस्त पशुओं में (04 माह से छोटे एवं 08 माह से ऊपर ग्याबन पशुओं को छोड़कर) टीका अवश्य लगवायें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 यशपाल सिंह, उप निदेशक कृषि डा0 राकेश कुमार सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मेहदावल तथा जनपद के समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मोटर एक्सीडेंट क्लेम संबंधित मामलों के लिए जाना माना नाम : एडवोकेट विंदेश्वर कुमार मौर्य

प्रखर गोरखपुर। जनपद में कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के अलेनाबाद के मुल निवासी डा. विन्देश्वर कुमार मौर्य जो 8 जिलों गोरखपुर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, बस्ती, देवरिया, कुशीनगर, अयोध्या समेत अन्य जिलों में सिर्फ मोटर एक्सीडेंट क्लेम संबंधित मामलों की वकालत करने के लिए प्रचलित हो रहे हैं। जो अभी तक लगभग 400 से भी अधिक मामलों का पूर्ण निस्तारण व संतुष्ट मुवक्किल कर चुके हैं। मोटर एक्सीडेंट क्लेम संबंधित मामलों की पैरवी के लिए कम से कम प्रतिशत दर पर बिना किसी एडवांस फीस या खर्चे लिए कम से कम समय मे क्लेम दिलाने का काम कर रहे हैं। इनसे आप किसी भी आपात स्थिति जैसे मोटर/रोड एक्सीडेंट में मृत्यु होने में क्लेम दिलाने के अलावा छत से गिरने, पेड़ से गिरने,सांप काटने से, जानवर के मारने से,विद्युत करंट लगने से,पानी मे डूबने से, आकाशिय बिजली गिरने से, या किसी अन्य प्रकार से भी हुए प्राकृतिक आपदा में मृत्यु होने पर क्लेम दिलाने की सुविधा के लिए मो.न-9415355430 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

नालासोपारा पूर्व में 18 दिसम्बर को सप्त दिवसीय भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन

प्रखर पालघर। नालासोपारा पूर्व विश्व कल्याण हेतु श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य आयोजन बालाजी ओपन ग्राउंड पर रखा गया है। श्री राम जानकी सेवा समिति द्वारा कलश यात्रा का भव्य आयोजन 18.दिसम्बर सोमवार को भागवताचार्य परम पूज्य डॉ रामानन्द जी सानिध्य मुखारबिंद से कथा 25.दिसम्बर सोमवार प्रसाद महाभंडारा के साथ संम्पन होगा। कथा आयोजक सोनू जी का कहना है कि गुरु जी के भक्त नालासोपारा की धरती से लेकर बाहर के लोगों भारी संख्या के साथ भीड़ जमा होने की संभावना हैं। कथा की तैयारी काफी दिनों से चल रही है। नालासोपारा भागवत भक्तों का बहुत सहयोग मिल रहा है, मुख्य यजमान यादवेंद्र मिश्रा और भजन गायक शशिकांत मिश्रा है।

केंद्रीय विद्यालय स्थापना दिवस एवं वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन केवी आयर पर किया गया

प्रखर वाराणसी। केंद्रीय विद्यालय स्थापना दिवस एवं वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार केंद्रीय विद्यालय आयर वाराणसी में पूरे विद्यालय परिवार के साथ केंद्रीय विद्यालय संगठन स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में समूह गान, समूह नृत्य, एकल गीत व एकल नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सुनील कुमार भारती ने केंद्रीय विद्यालय स्थापना के उद्देश्य एवं नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन राम कुमार टीजीटी संस्कृत ने किया। अंत में विद्यालय के प्राचार्य प्रभु नाथ सिंह ने अपने संबोधन में केंद्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना के उद्देश्य एवं विकास पर विचार प्रस्तुत करते हुए, बच्चों को शुभकामनाएं भी दी। साथ ही विद्यालय में वार्षिक खेल कूद समारोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र - छात्राओं ने विभिन्न खेलो में बढ़-चढ कर भाग लिये। समापन के बाद बच्चों को प्रमाणपत्र , मैडल एवम ट्राफी प्रदान किया गया। खेलकूद कार्यक्रम खेलकूद प्रभारी भानु प्रताप के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

छात्रों ने रैली निकाली लैंगिक भेदभाव के प्रति किया गया जागरूक

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। शाहगंज के निजामपुर गांव में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय के छात्रों ने रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को जागरूक किया गया। रैली के माध्यम से समाजिक संस्था ग्रामीण विकास संस्थान की सौहार्द साथी रितु यादव ने लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति सजग करते हुए कहा कि कहा कि लैंगिक भेदभाव के कारण समाज का समग्र विकास नहीं हो सकता है। और रैली के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को लेकर भी जागरूक किया गया। इस मौके पर हल्का इंचार्ज जियाउद्दीन व महिला पुलिस समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

लड़की गायब होने पर युवती ने किया थाने पर शिकायत

प्रखर संतकबीरनगर। खलीलाबाद के कोतवाली थाना क्षेत्र निवासनी युवती बन्दना पीटर पुत्री सतीश पीटर जो पीजीआई हास्पिटल लखनऊ में बतौर नर्स कार्यरत हैं। जो अपने नानी के मृत्यु के पश्चात उनकी गोद ली हुई मंद बुद्धि युवती महिमा बनवास उर्फ. मोना उम्र 19वर्ष को इलाज के लिए अपने साथ पीजीआई हास्पिटल लखनऊ में लेकर रह रही थी। प्रार्थी युवती ने शिकायत पत्र में बताया कि 25नवम्बर को जब वह परीक्षा देने गोरखपुर चली गई उसी दौरान महिमा बनवास उर्फ.मोना बिना बताए कमरे से निकलकर कहीं चली गई। घटना के तीन दिन बाद 28नवम्बर फरीदाबाद में रहने मोना कि मौसी निहारिका साइमन ने फोन करके बताया कि मोना मेरे यहां पर आ गई है। जिसके बाद प्रार्थिनी बन्दना पीटर ने शिकायत पत्र देकर पुलिस को बताया कि आज के बाद महिमा बनवास उर्फ.मोना से मेरा कोई वास्ता या सरोकार नहीं है यदि मोना के साथ कोई घटना दुर्घटना हुई तो इसकी पुरी जिम्मेदार उनकी मौसी निहारिका साइमन या फिर महिमा बनवास उर्फ.मोना खुद होगी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं